रंगमोहल पश्चिम दिशा की शोभा

फूलबाग, नूरबाग, अन्नवन , दूब दुलीचे, पश्चिम का चोंगन

- ➢ **फूल बाग**
- ➢ **नूर बाग**
- ➢ **अन्नवन**
- ➢ **दूब दुलीचे,**
- ➢ **पश्चिम का चोंगन**

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

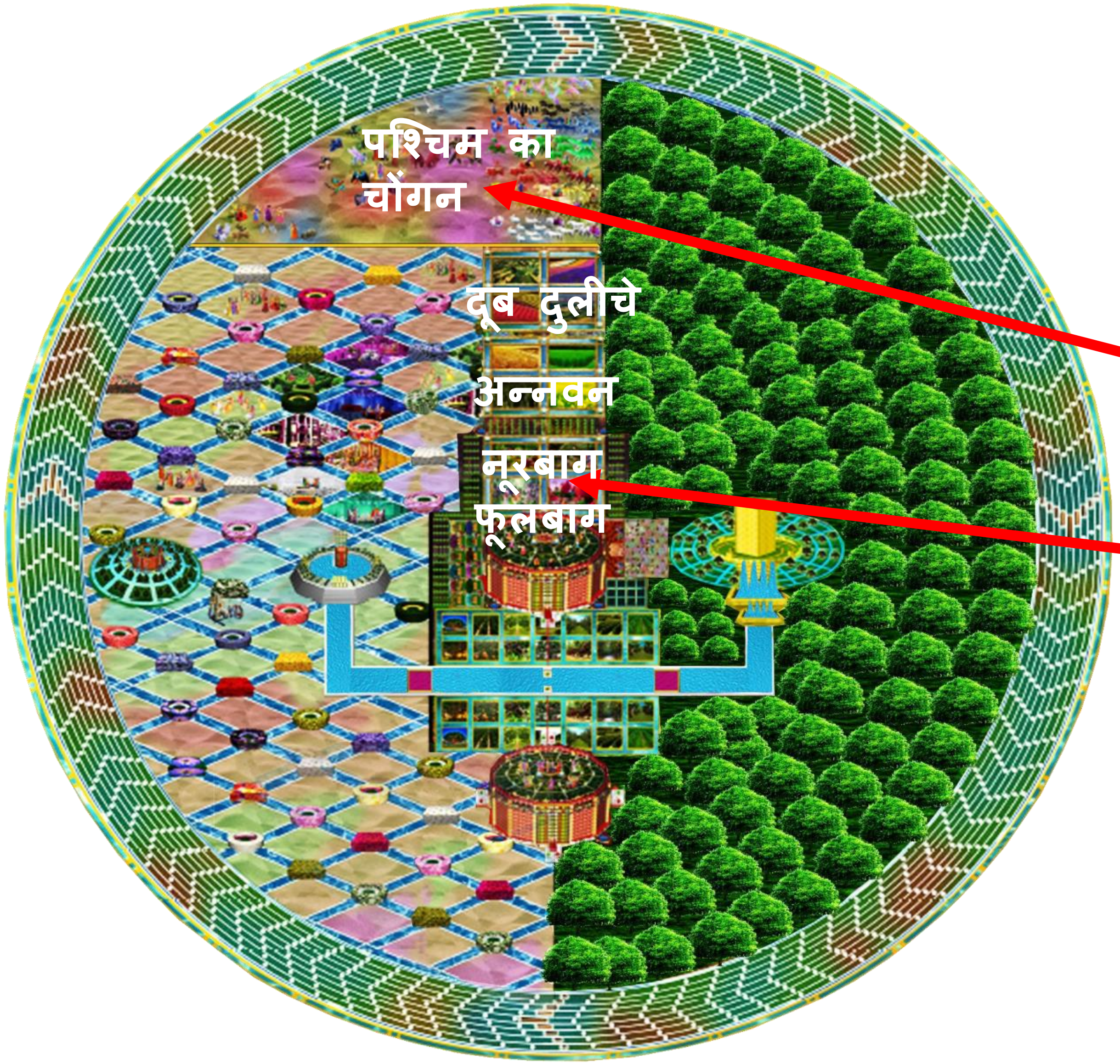

परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
पंचमी	पश्चिम का चोंगन **(दूब दुलीचे)**
चतुर्थी	फूलबाग & नूरबाग (अन्नवन)

फूलबाग – 1500 मंदिर x 1500 मंदिर

- बड़े बगीचे – 100, 150 मंदिर x 150 मंदिर
  - नहेर – 1 मंदिर
  - रोंस – 0.33 मंदिर
  - फुलवाड़ी – 0.33 मंदिर
  - बड़े चेहबच्चा – 112
  - फुवारें
    - 3000 रंगमहाल की पूर्व की परिकरमा रोंस, 1st भोम
    - बड़े चहबच्चे
  - छज्जे
- छोटे बगीचे – 16 पर बड़े बगीचे , 36 मंदिर x 36 मंदिर
  - नहेर - 0.5 मंदिर
  - रोंस - 0.25 मंदिर
  - चेहबच्चा – 9
  - फूल के वृक्ष – 13 x 13 , 2 भोम
- 16 हांस का चेहबच्चा – 4 (Corner)

नूरबाग – 1500 मंदिर x 1500 मंदिर

- बड़े बगीचे - 100, 150 मंदिर x 150 मंदिर
  - नहेर – 1 मंदिर
  - रोंस – 0.33 मंदिर
  - फुलवाड़ी - 0.33 मंदिर
  - बड़े चेहबच्चा – 112
  - फुवारें - बड़े चहबच्चे
  - नुर के थंभ (फिलपाया)
- छोटे बगीचे – 16 पर बड़े बगीचे , 36 मंदिर x 36 मंदिर
  - नहेर - 0.5 मंदिर
  - रोंस - 0.25 मंदिर
  - चेहबच्चा – 9
  - फूल के वृक्ष – 13 x 13 , 1 भोम
- रंगमहल के मंदिर से सिडियां – 10

अन्नवन – 1500 मंदिर x 1500 मंदिर

- बड़े बगीचे - 100, 150 मंदिर x 150 मंदिर
  - नहेर ,रोंस,बड़े चेहबच्चा,फुवारें
- छोटे बगीचे - 16, 36 मंदिर x 36 मंदिर
  - नहेर,रोंस ,चेहबच्चा
  - **अन्न के वन (13 x 13 , 1 भोम)**
  - **देहूरी (मध्य के चेहबच्चा पर)**

दूब दुलीचे – 1500 मंदिर x 1500 मंदिर

- बड़े बगीचे - 100, 150 मंदिर x 150 मंदिर
  - नहेर , रोंस , बड़े चेहबच्चा, फुवारें
- छोटे बगीचे - 16, 36 मंदिर x 36 मंदिर
  - नहेर,रोंस, चेहबच्चा
  - **बेरंगी दूब (घास) के बगीचे**
  - **देहूरी (चार कोने के चेहबच्चा पर)**

पश्चिम का चोंगन

9 कोस लम्बा x 4.5 कोस चौडा

- रंग बेरंगी रेती का मैंदान

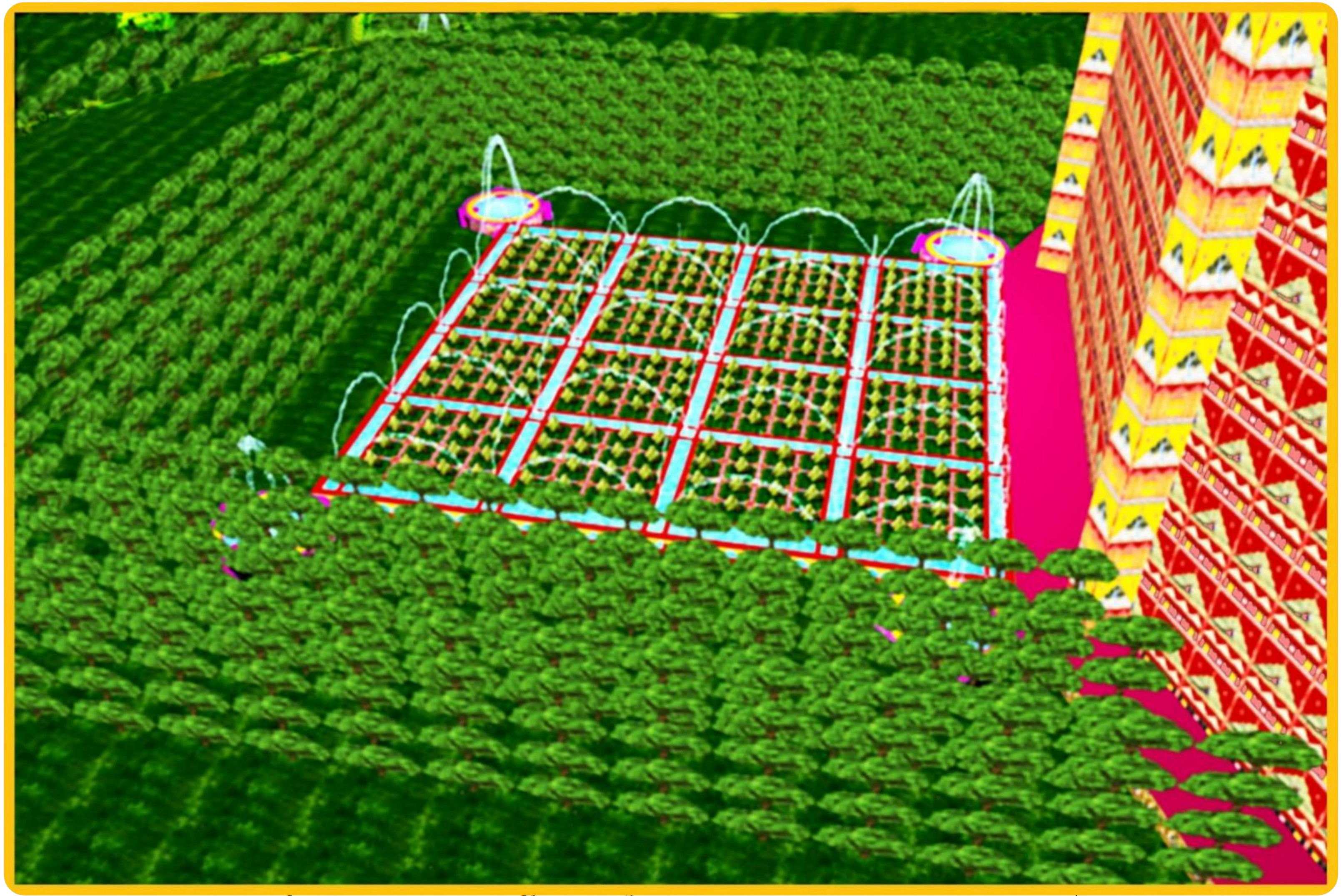

अब कहूं फूलबाग की, जो धाम लगता चबूतर ।
तरफ पश्चिम को देखिए, पचास हांस भर बराबर ।।१।।

फूलबाग – 1500 मंदिर x 1500 मंदिर

- बड़े बगीचे – 100, 150 मंदिर x 150 मंदिर
  - नहेर – 1 मंदिर
  - रोंस – 0.33 मंदिर
  - फुलवाड़ी – 0.33 मंदिर
  - बड़े चेहबच्चा – 112
  - फुवारें
    - 3000 रंगमहाल की पूर्व की परिकरमा रोंस, 1st भोम
    - बड़े चहबच्चे
  - छज्जे
- छोटे बगीचे – 16 पर बड़े बगीचे , 36 मंदिर x 36 मंदिर
  - नहेर - 0.5 मंदिर
  - रोंस - 0.25 मंदिर
  - चेहबच्चा – 9
  - फूल के वृक्ष – 13 x 13 , 2 भोम
- 16 हांस का चेहबच्चा – 4 (Corner)

16 हांस का चेहबच्चा
बहारी मंदिर की हार
रंगमहल की परिक्रमा रोंस भोम पर चबतरे पर
पहेली नेहेर में 3000 फुवारे
बड़े बगीचे
बड़ी चेहबच्चा फुवारे
1 बड़े बगीचे में
16 छोटे बगीचे
बड़ी नहेर

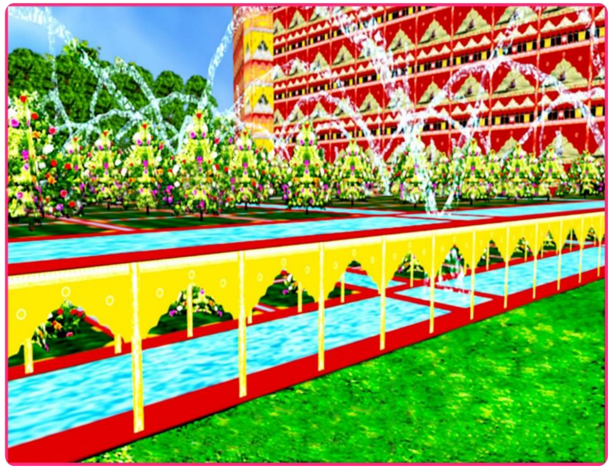

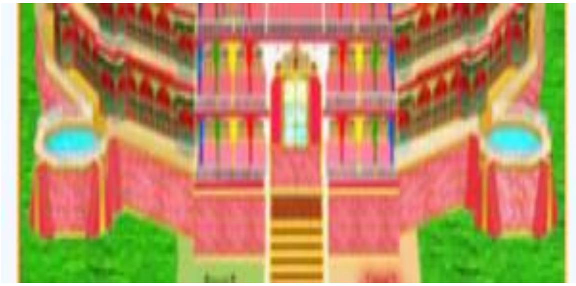

फूलबाग – 100 बड़े बगीचों की शोभा

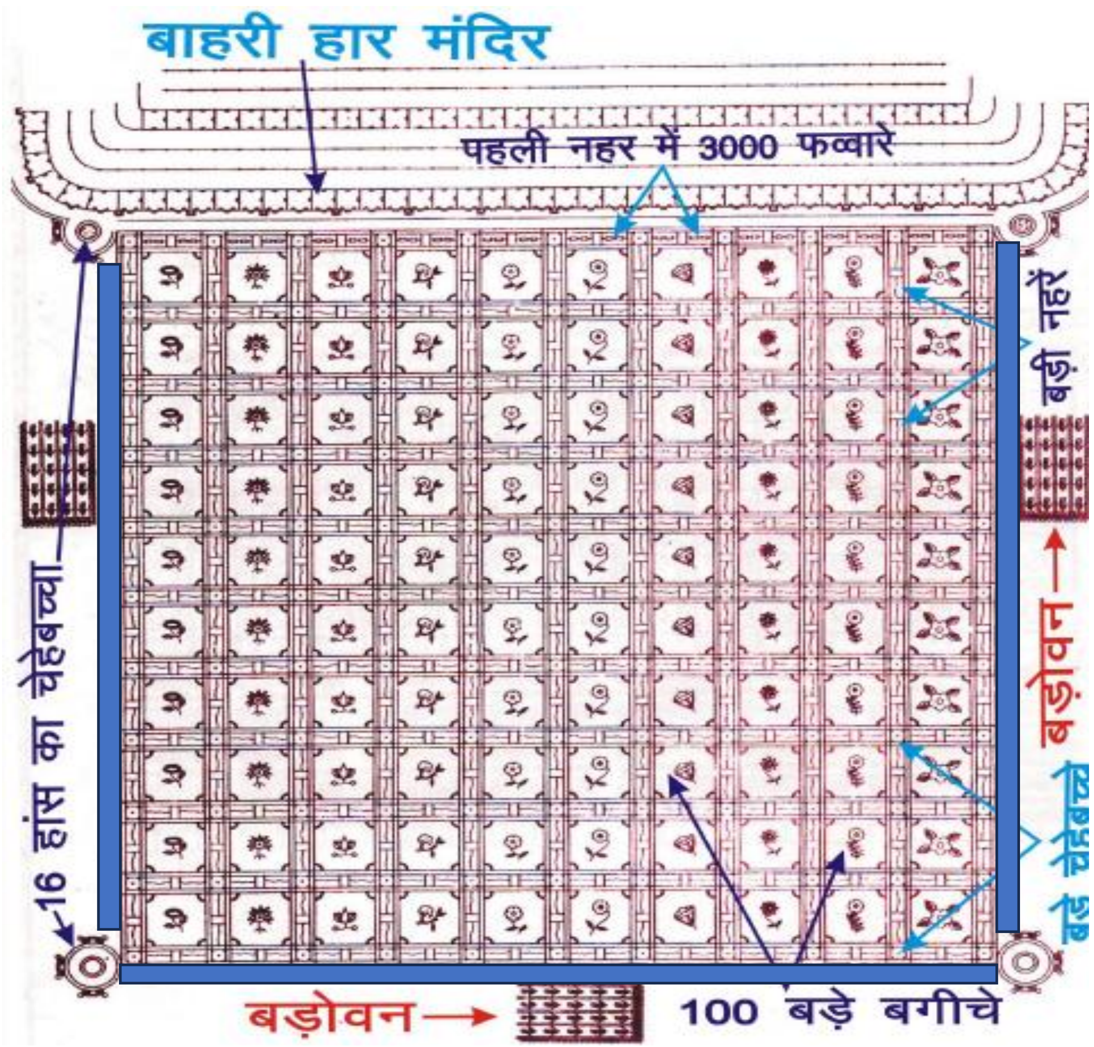

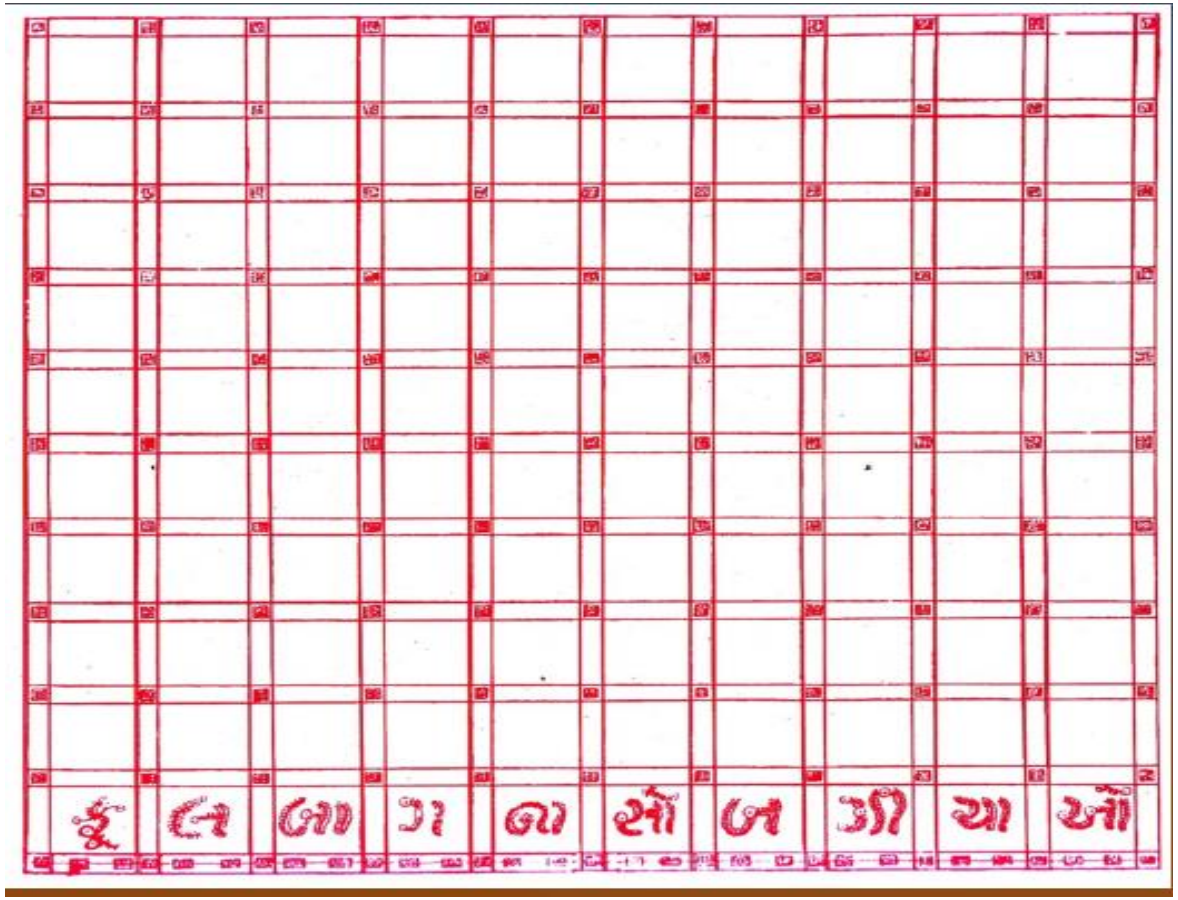

अब कहूं बगीचन की, ए जो दस दस की हार ।
दोए दोए सौ कहे, करे जुगल सरूप बिहार ॥१७॥

फूलबाग चौड़ो चौरस, पचास हांस मरजाद ।
चार कोने चार चेहेबच्चा, मोमिन ले बका स्वाद ॥९॥

ऐसे सौ बगीचे, तहां हर एक में चार ।
ए जो पड़ी रस्ते चौकड़ी, तहां ए सुभान के सुखकार ॥२३॥

ए जो चारों चेहेबच्चे, बने चारों कोनों पर ।
तिन की नेहेरें सब में, फिरवली यों कर ।।३१।।

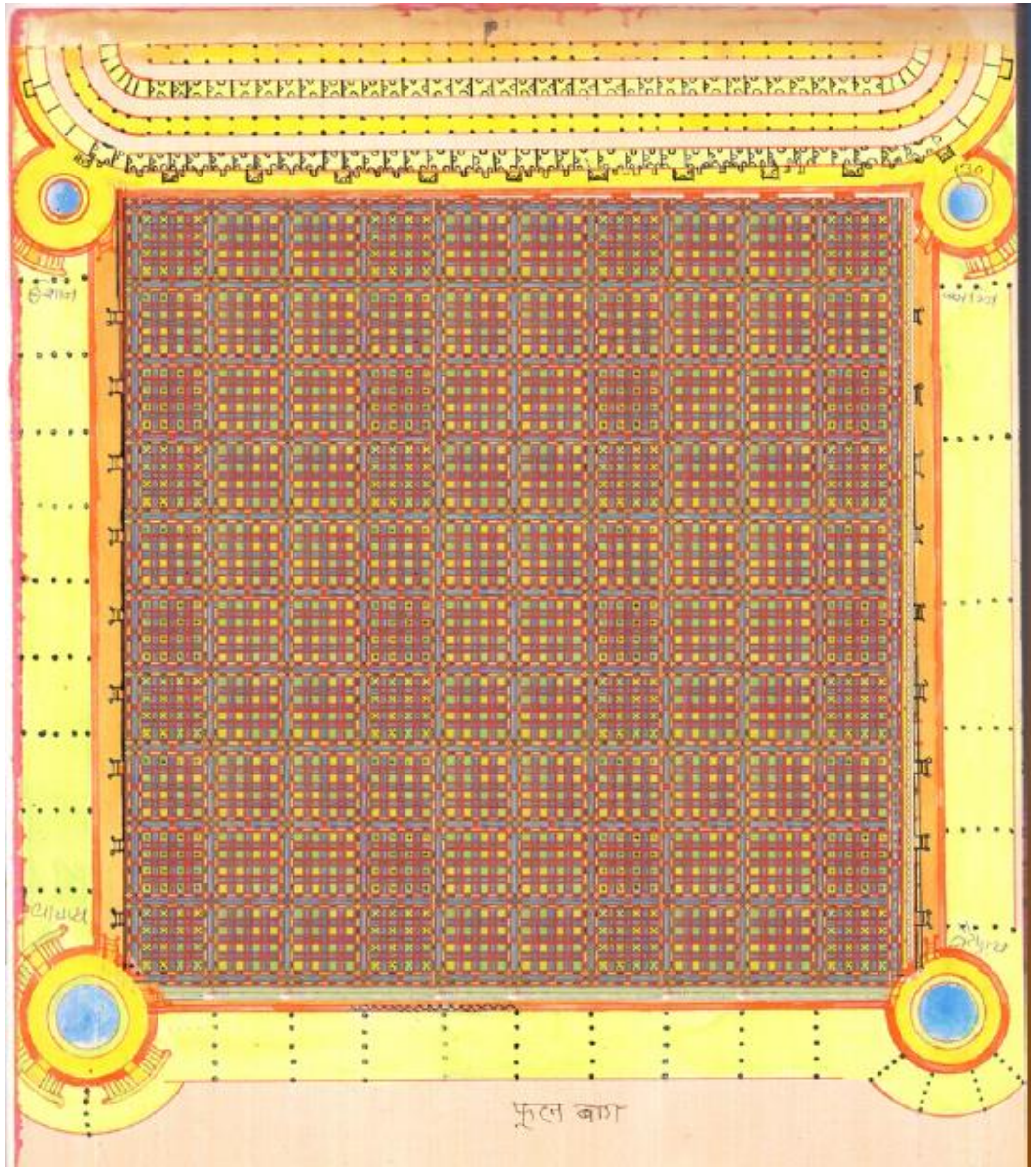

फूलबाग – 100 बड़े बगीचों की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

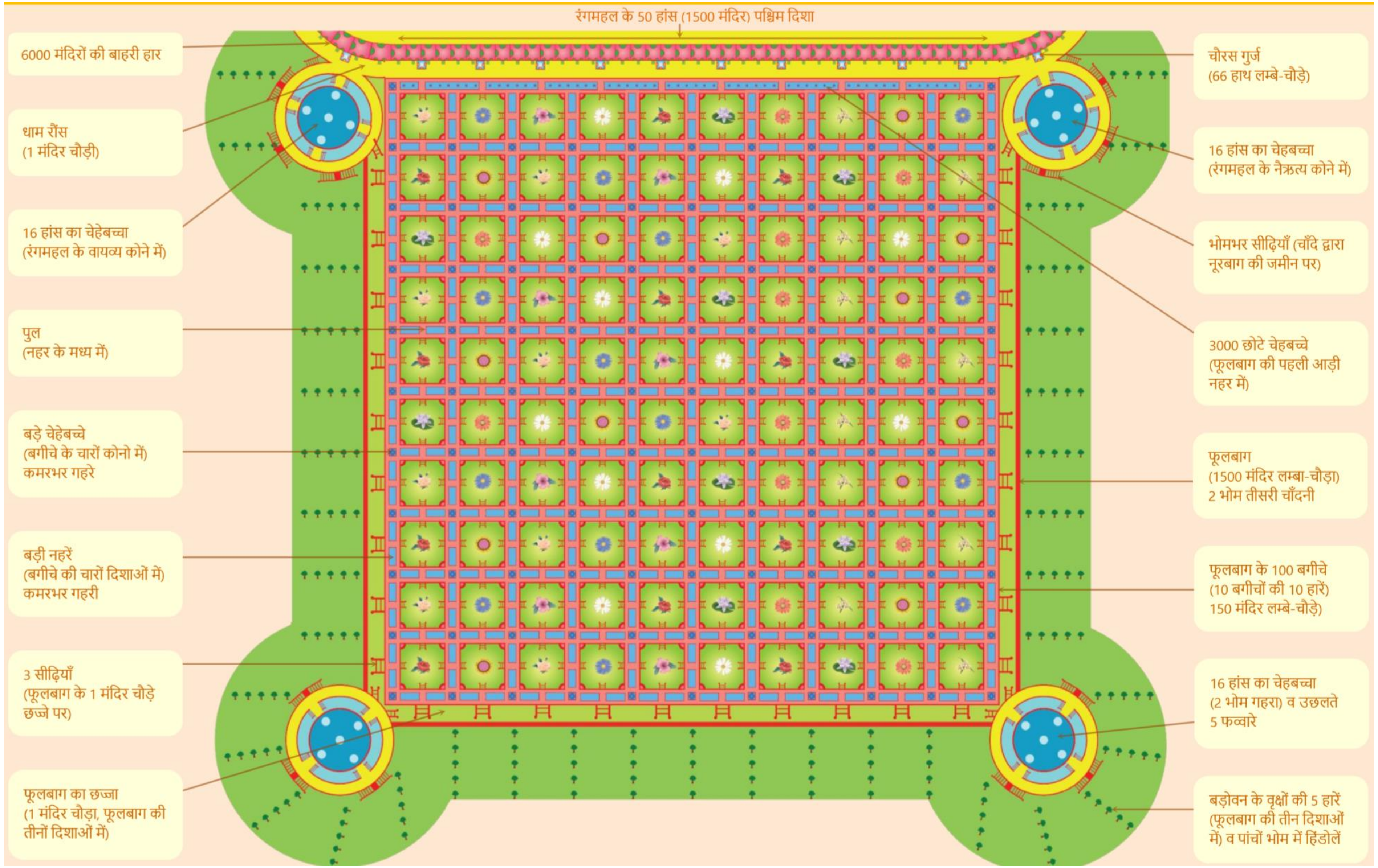

फूलबाग – बड़े बगीचों की शोभा छोटे बगीचे, रोंस, चेहबचे & फूलवाड़ी

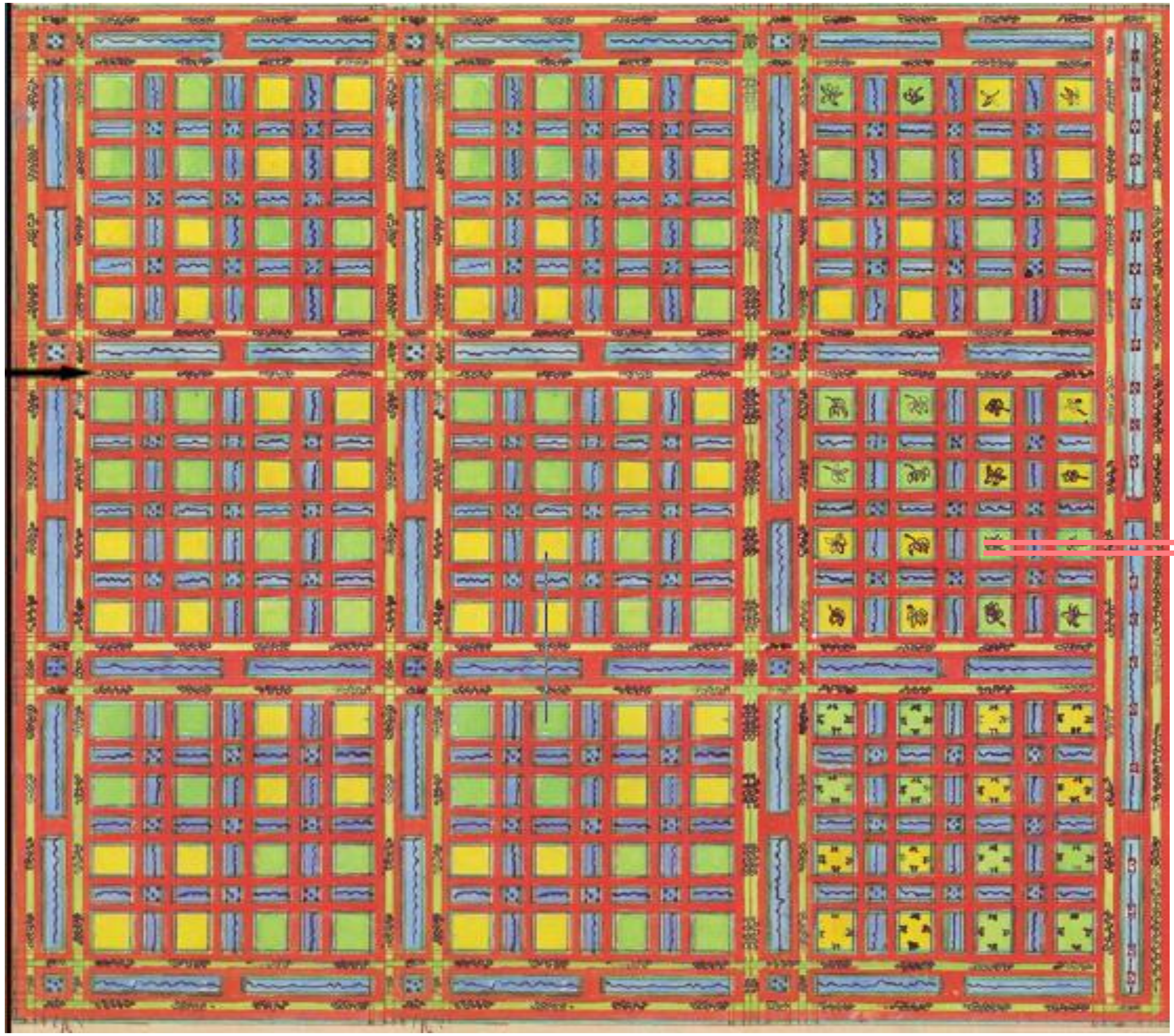

100 बड़े बगीचे

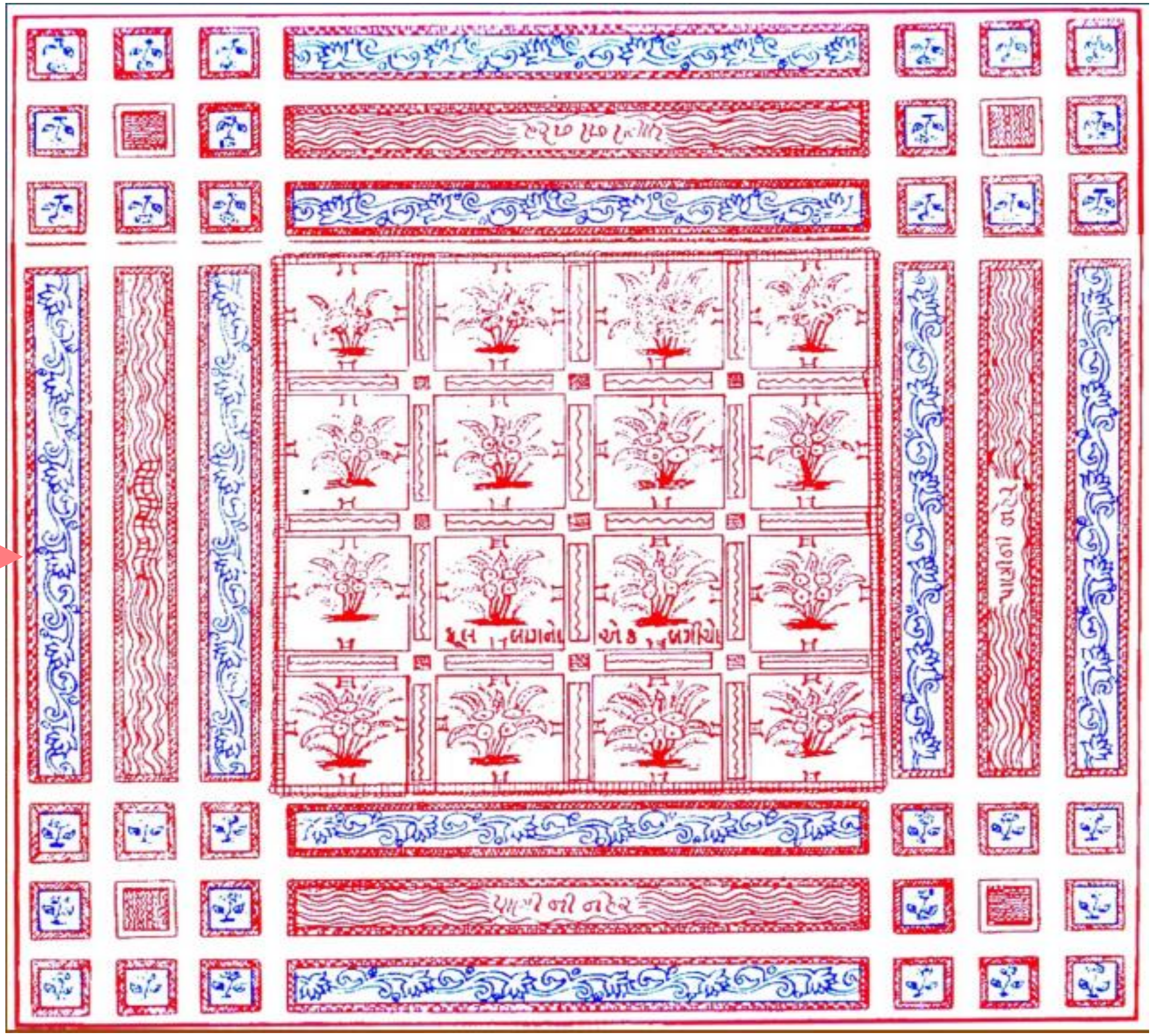

16 छोटे बगीचे In 1 बड़े बगीचे
1600 छोटे बगीचे

फूलबाग – 1 छोटे बगीचों की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

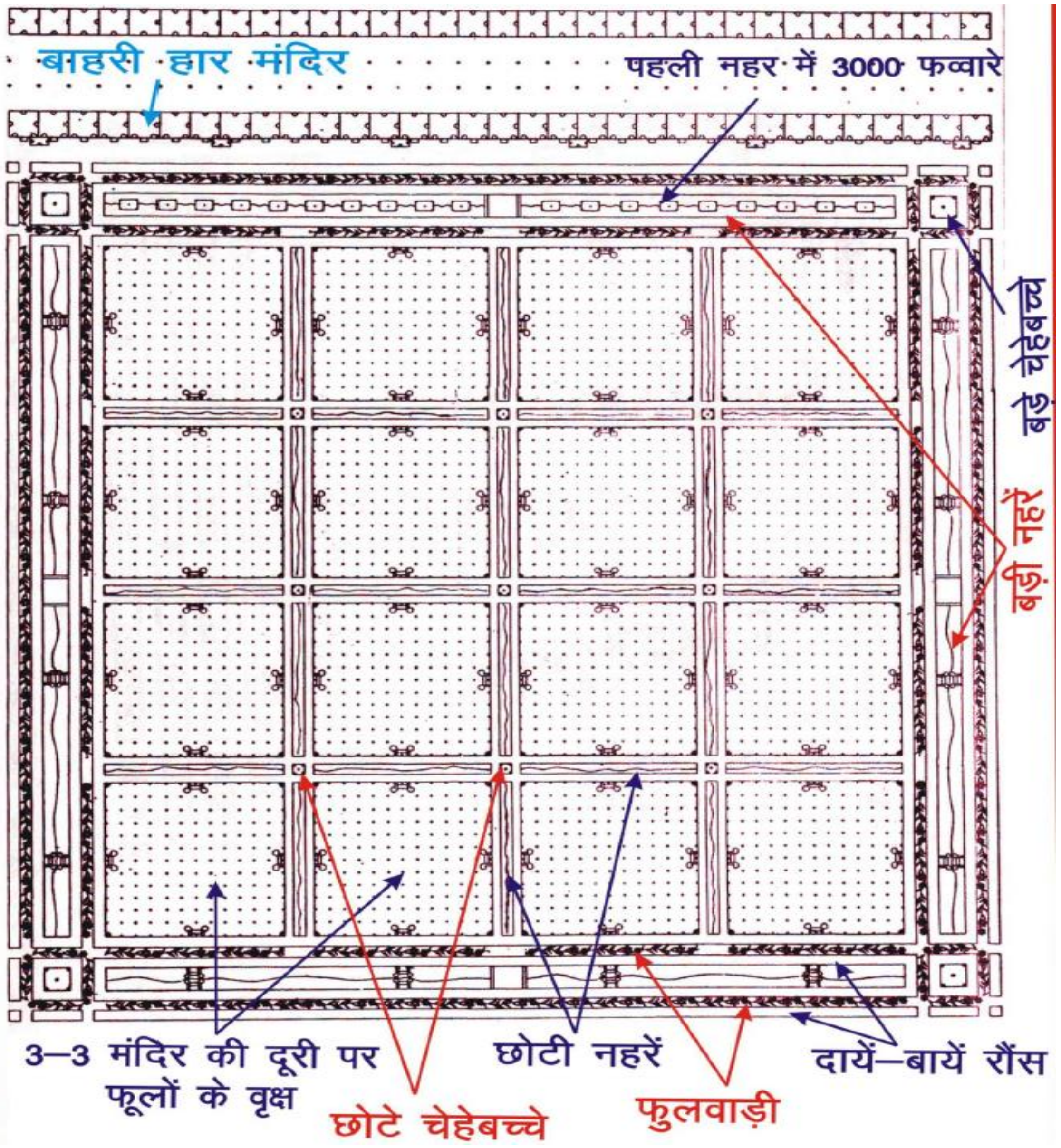

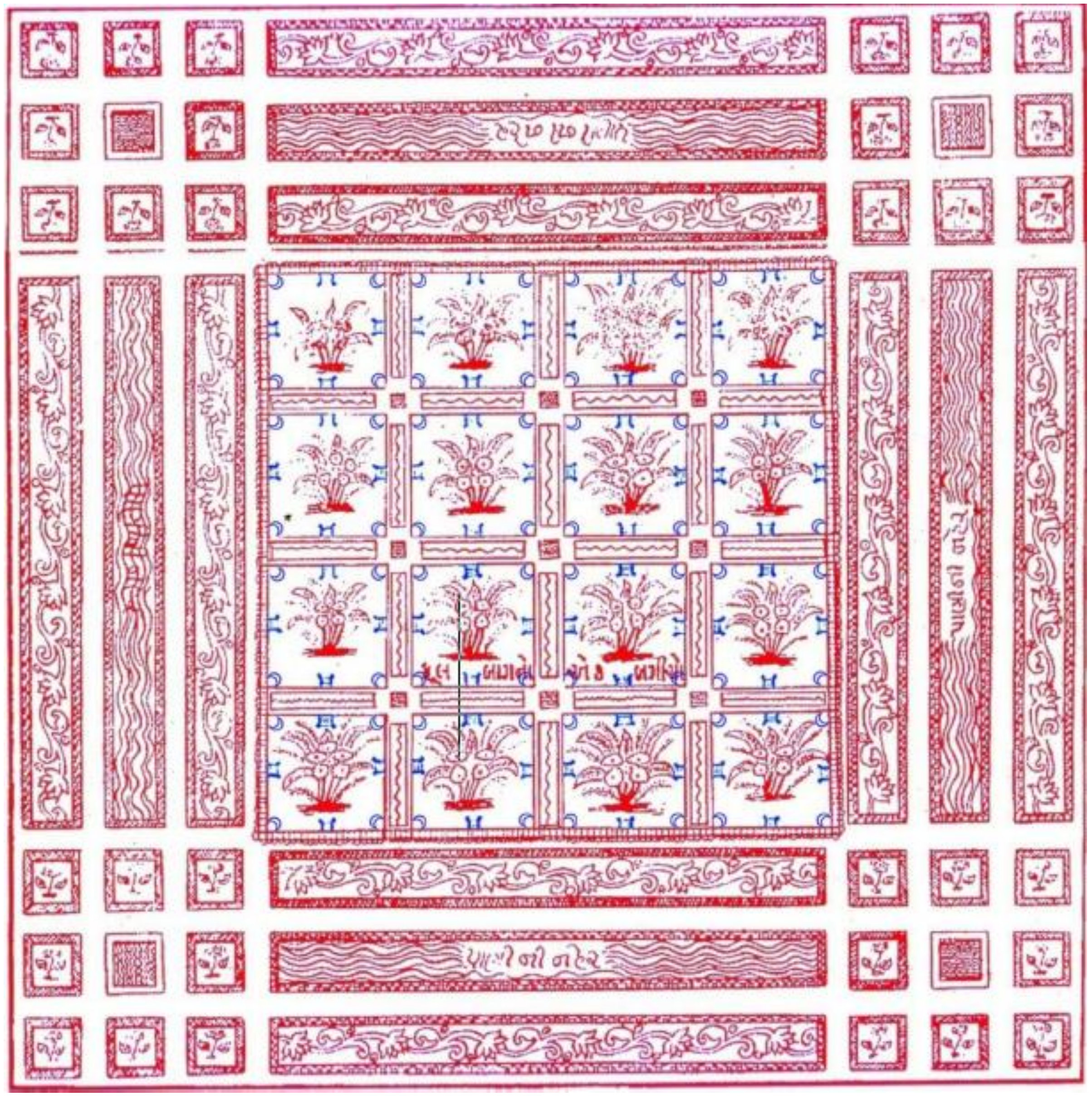

फूलबाग – 1 छोटे बगीचों की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

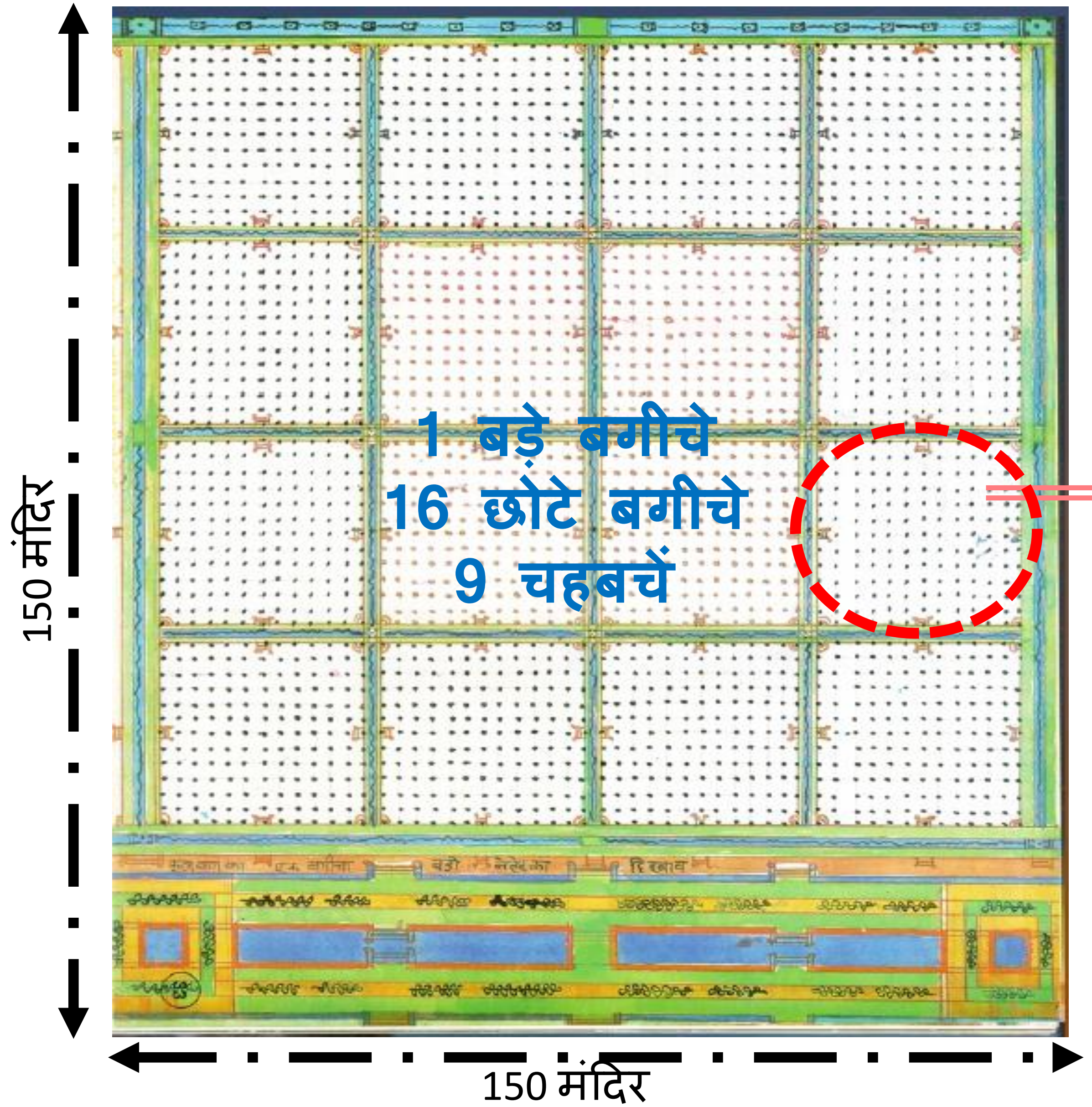

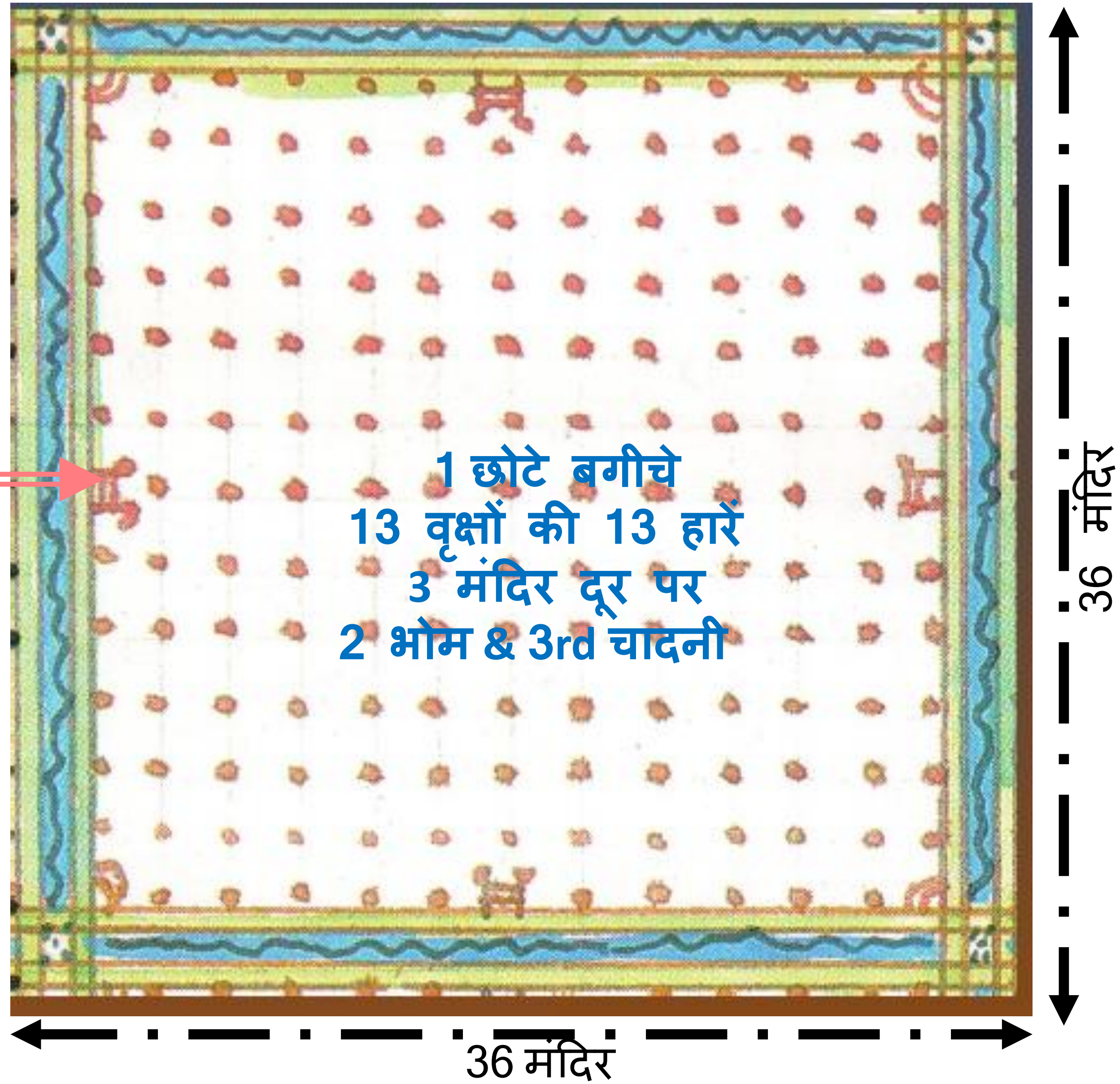

फूलबाग – 1 छोटे बगीचों की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

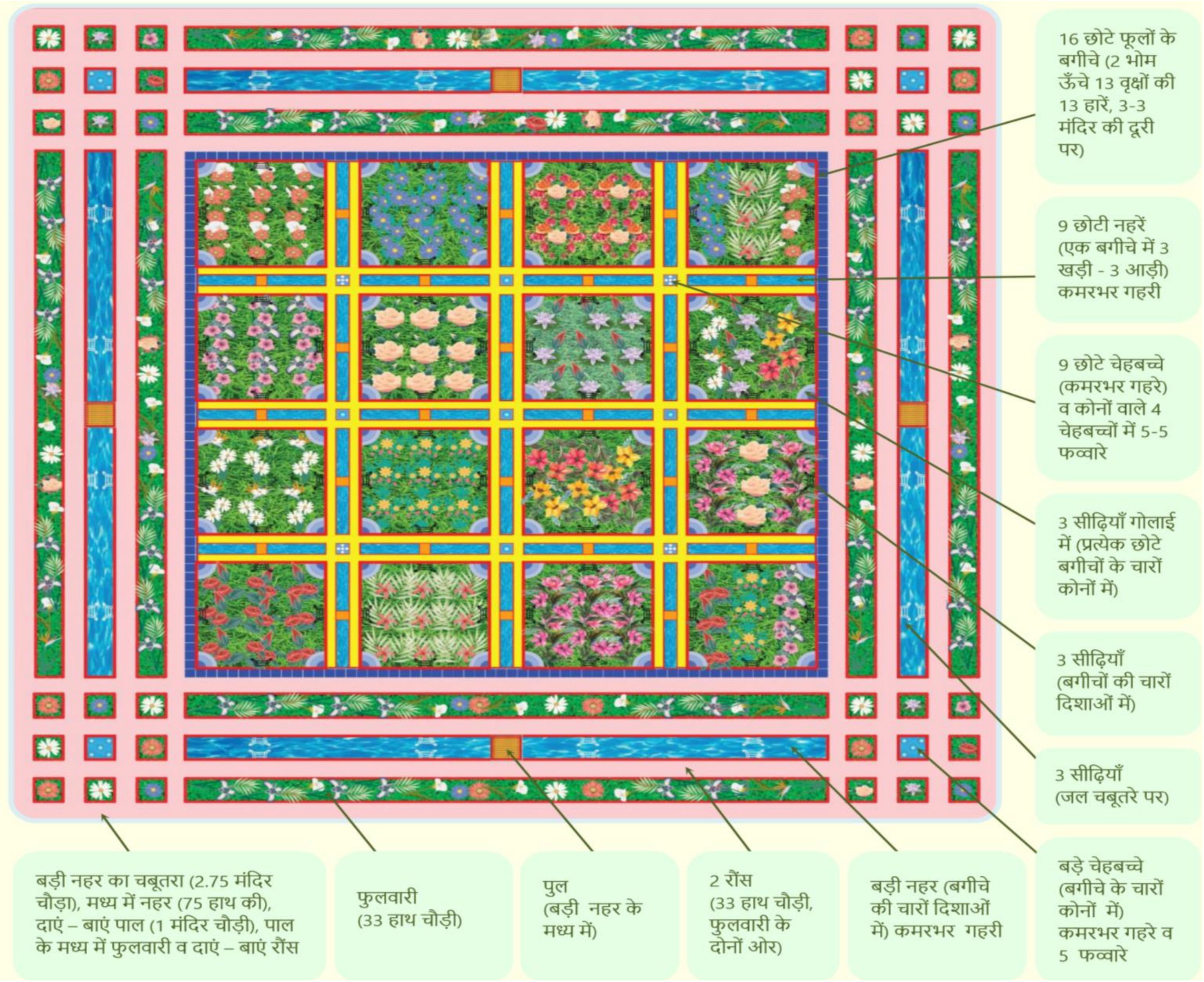

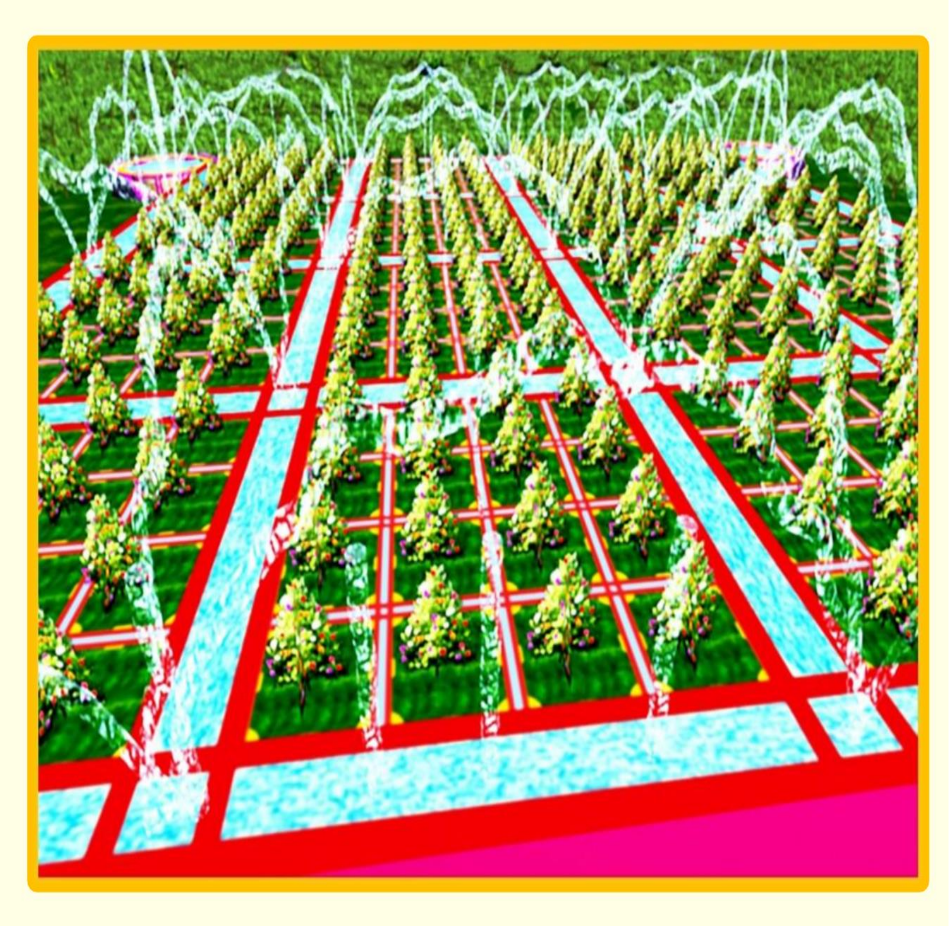

फूलबाग – रंगमहाल की पूर्व की परिकरमा रोंस , 1st भोम के 3000 फुवारे

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

चारों तरफों चार फुहारे, उछरत पड़े बीच सोए ।
एक उठे दरम्यान में, बिना मोमिन न समझे कोए ।।१३।।

हर मेहेराब आगे चेहेबच्चा, ताकी सुमार तीन हजार ।
हर चेहेबच्चे पांच फुहारे, हक हादी रूहें देखनहार ।।१२।।

फूलबाग – रंगमहाल के नेऋत्य कोण का चेहेबच्चा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

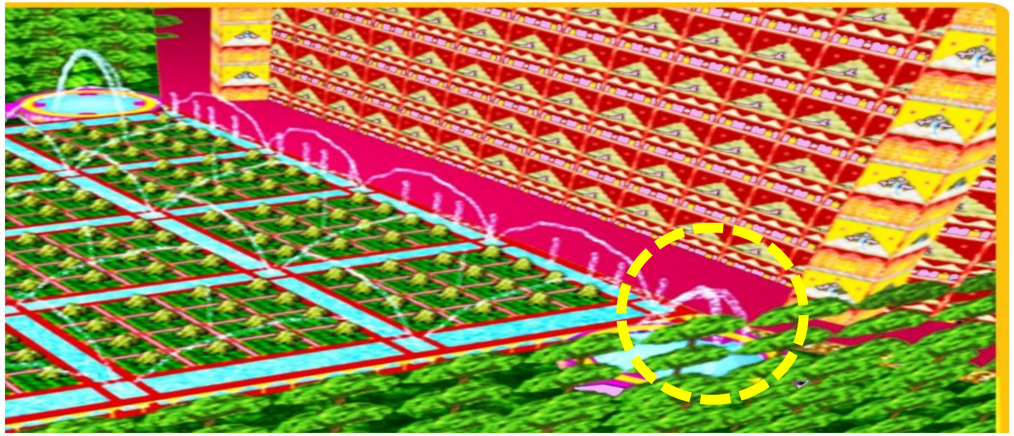

महामत कहे ए मोमिनों, फूल बाग देखो तुम ।
एह तुम को दिखाईया, हक सुभान का हुकम ||

आगूं सबन के फुहारे , और आगूं सबन के फूल ।
देख देख ऐ चेहेबच्चे , सबे होत सनकूल ।।

हिसाब नहीं फूलन को , हिसाब नहीं चित्रामन ।
हिसाब नहीं खुसबोए को , हिसाब न रंग रोसन ।।

इत कई रंग एक फूलन में, लाल नीले पीले गुलाल ।
हक हादी रूहन को, एह देखे होत खुसाल ||

फूल रस्ते दोरी बंध, सुगन्ध बेहेकत बन ।
नूर जवेर ज्यूं झलकत, सो क्यों कर कहूं रोशन ||

इत शीतल मंद सुगन्ध की, बाव बेहेकत सुखदाए ।
रंग लेहेरा उठत फूलन की, देत झकोरे ताए ॥३५॥
छज्जे रूहें बैठत, फूलबाग देखिए सनमुख ।
दोउ बाजु फूहारे उछरत, क्यूं कहूं जुबां ए सुख ॥१५॥

इत जुगल सरूप देखिए, रमते फिरे फूल बन ।
बस्तर भूखन अंग के, सो जंग करत नूर रोशन ॥३६॥
रूहें रमें संग राज के, इत बैठक बिछौने नूर ।
शोभा इन बखत की, सो क्यूं कर कहूं जुबां जहूर ॥३७॥

ए सुख अरस अजीम के, रहे मोमिन दिल दरम्यान ।
हक याद करावें हबीब पे, तुम ताकी करो पेहेचान ॥४०॥

ए लीला शब्दातीत की, जो नूर के पार बिहार ।
भई सिफाएत मोमिनों को, इत एही सुख पावन हार ॥४१॥

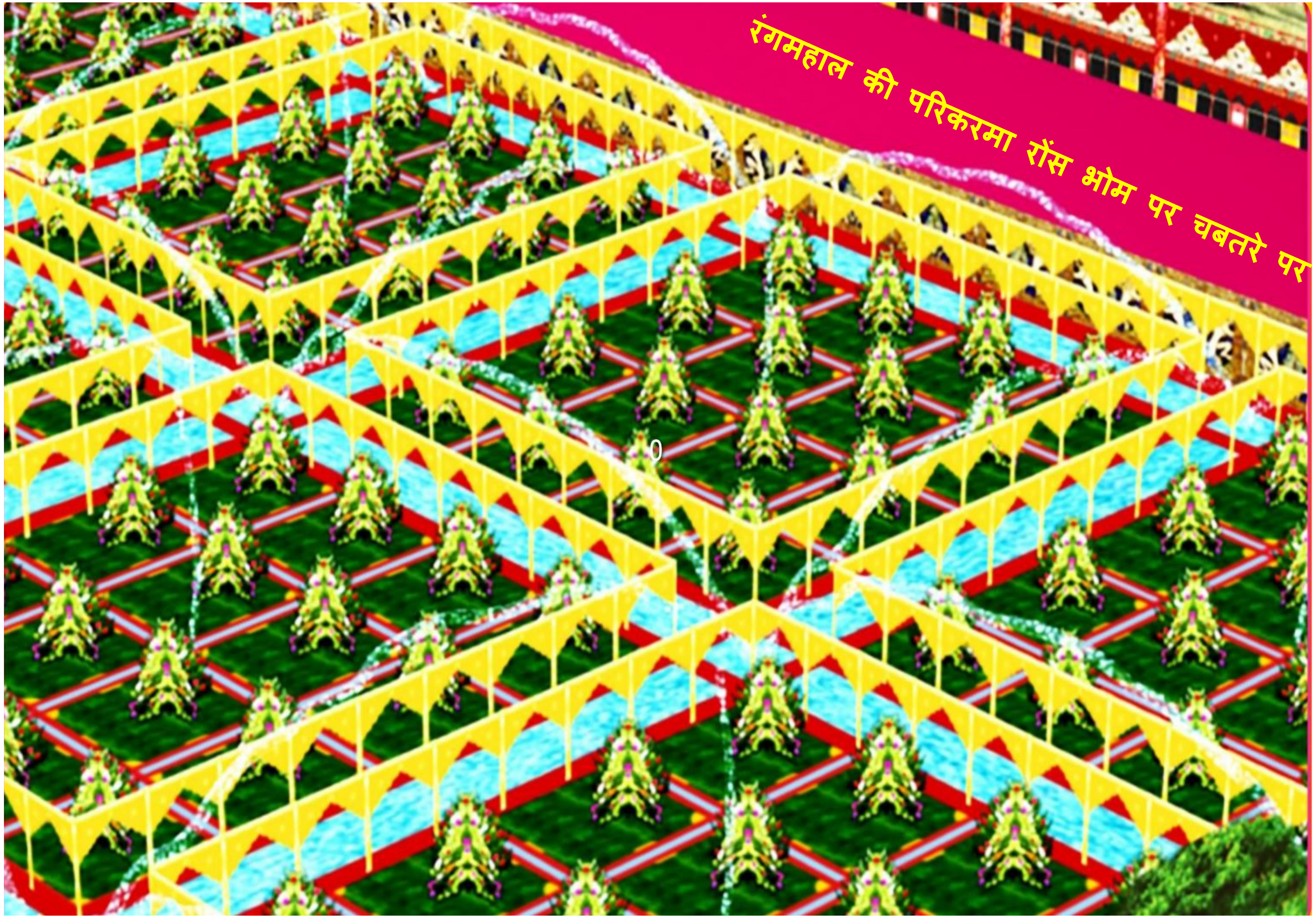

नूरबाग – 1500 मंदिर x 1500 मंदिर

- बड़े बगीचे - 100, 150 मंदिर x 150 मंदिर
  - नहेर – 1 मंदिर
  - रोंस – 0.33 मंदिर
  - फुलवाड़ी - 0.33 मंदिर
  - बड़े चेहबच्चा – 112
  - फुवारें - बड़े चहबच्चे
  - नुर के थंभ (फिलपाया)

- छोटे बगीचे – 16 पर बड़े बगीचे , 36 मंदिर x 36 मंदिर
  - नहेर - 0.5 मंदिर
  - रोंस - 0.25 मंदिर
  - चेहबच्चा – 9
  - फूल के वृक्ष – 13 x 13 , 1 भोम

- रंगमहल के मंदिर से सिडियां – 10

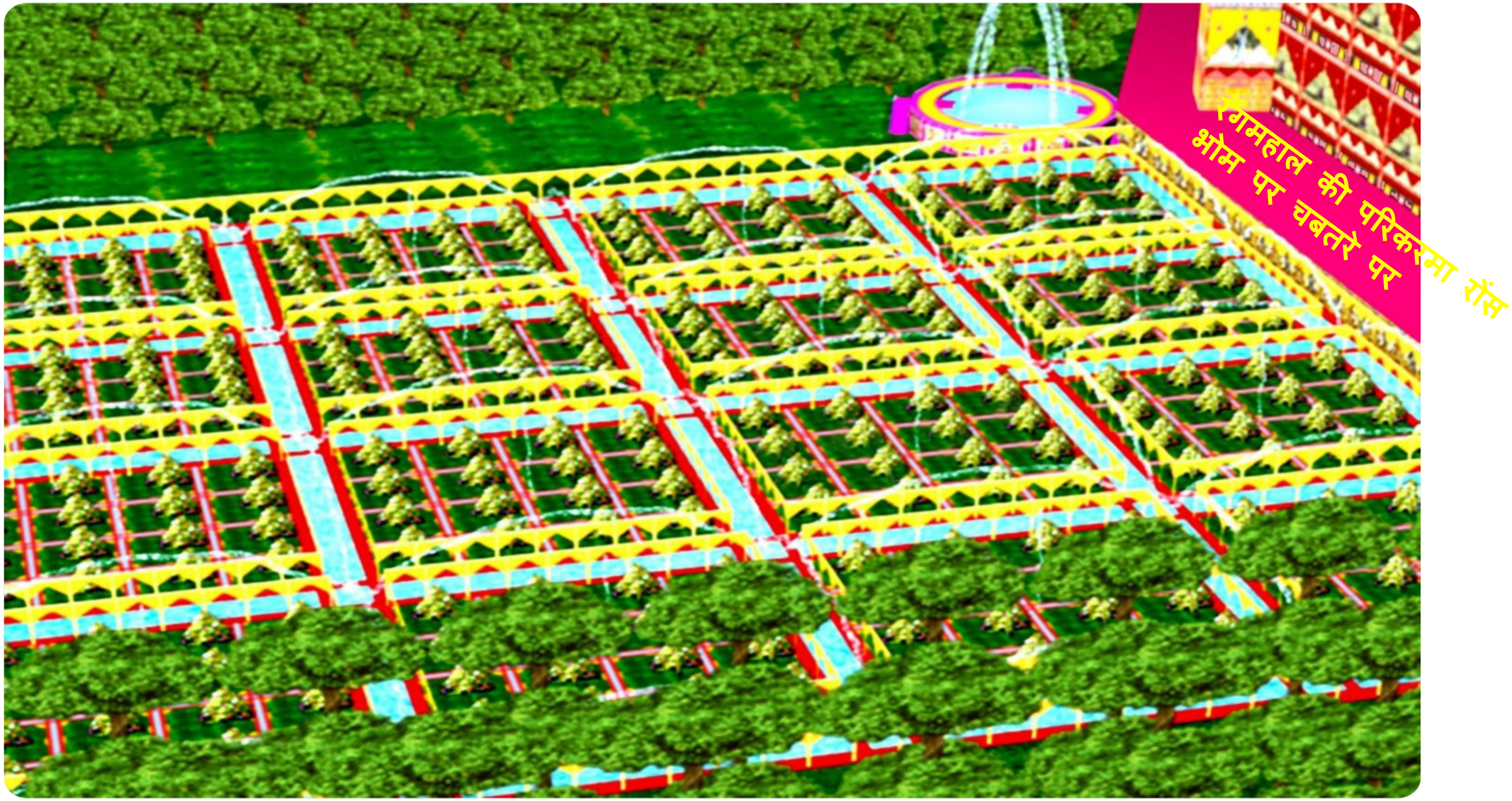

जैसे सौ बाग ऊपर, तैसे ही सौ बाग तले नूर ।
एह रोशनी नूर जमाल की, सो क्यों कर कहूं जहूर ।।२।।

इन रस्ते गलियन में, जब फिरते देखिए हक ।
रूहें संग शामिल रहे, भरी जोर इशक ।।

नूरबाग – नुरी थंभो की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

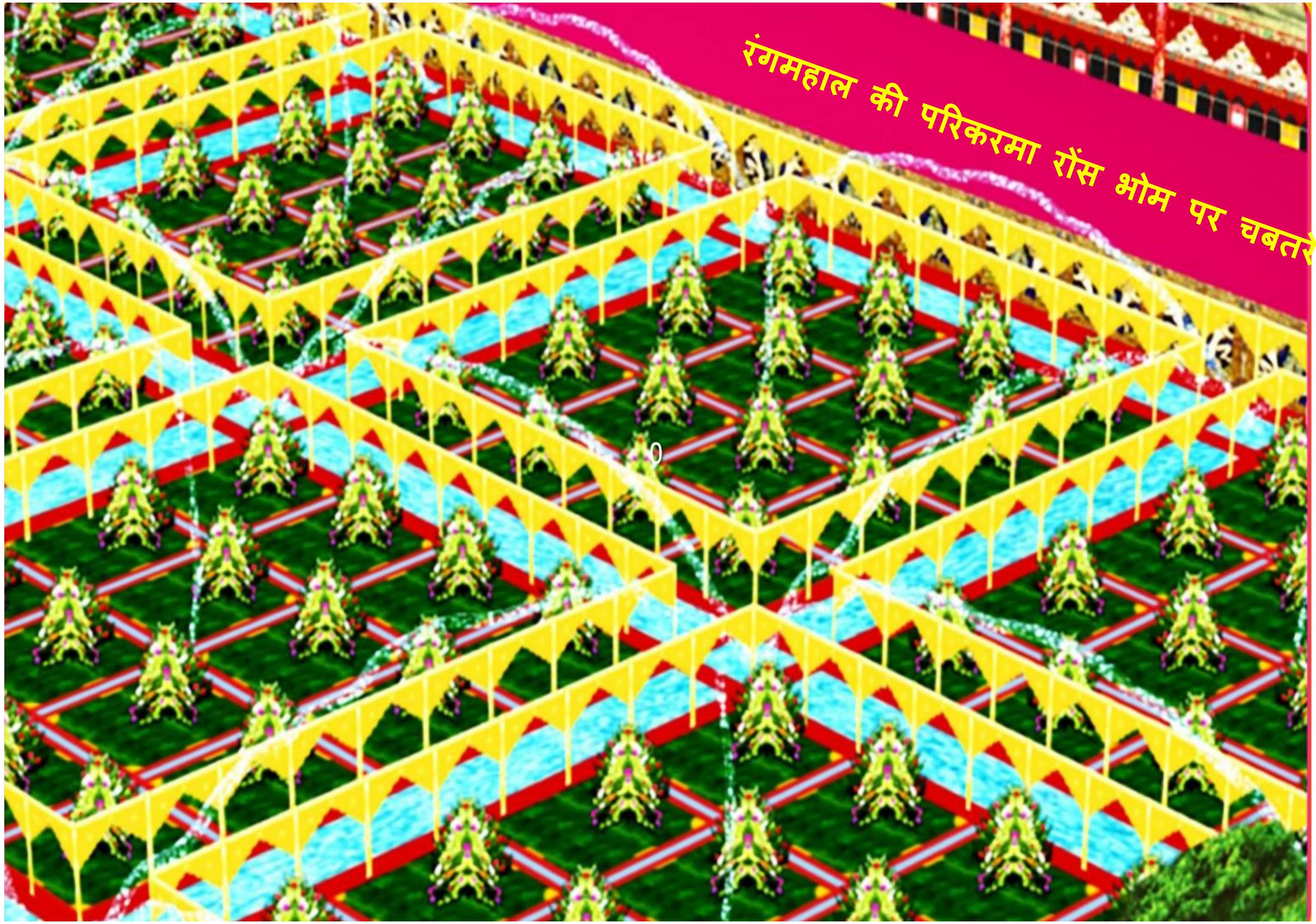

तले थम्भ कठेडा मेहेराब, जुगत ऊपर की सब जान ।
नेहेरे फुहारे उछरत, ए नूर मोमिन दिल पेहेचान ||

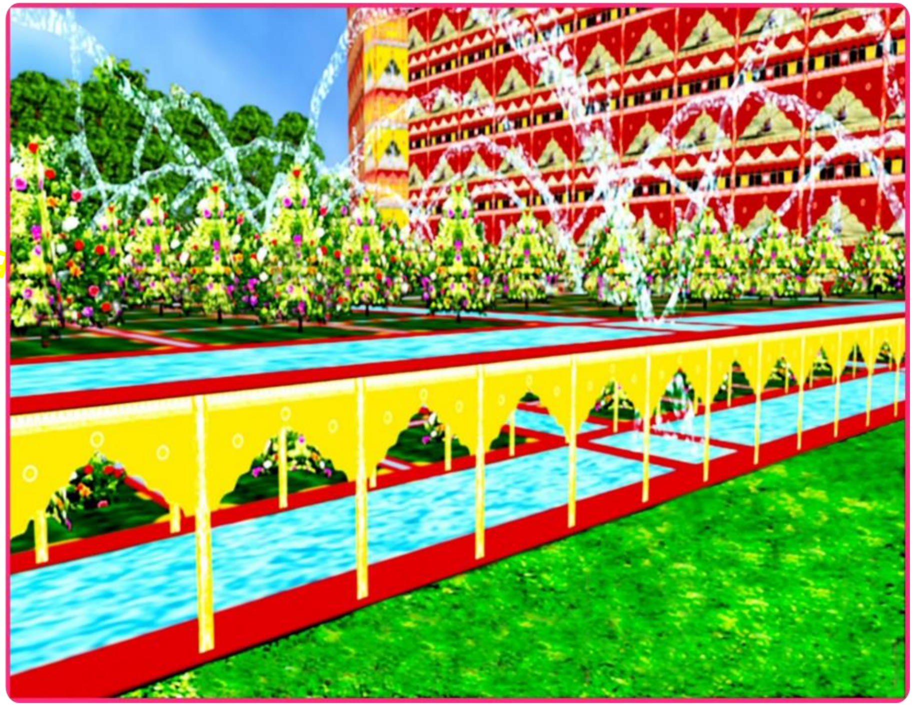

ज्यादा इन नूर बाग में, थम्भ मेहेराब नूर ।
ए सब किनारे पर पड़े, झलकत नूर जहूर ||

छे सौ थम्भ हर बगीचे पड़े, ऐसे बगीचे सौ एक ।
ता को साठों हजार जमा, इत रोशनी कई देखो अनेक ||

साठ हजार मेहेराब पड़े, इन थम्भों दरम्यान ।
रस्ते इत बाइस पड़े, छे हजार थम्भ रोशन जान ||

नूरबाग – 100 बगीचों की शोभा

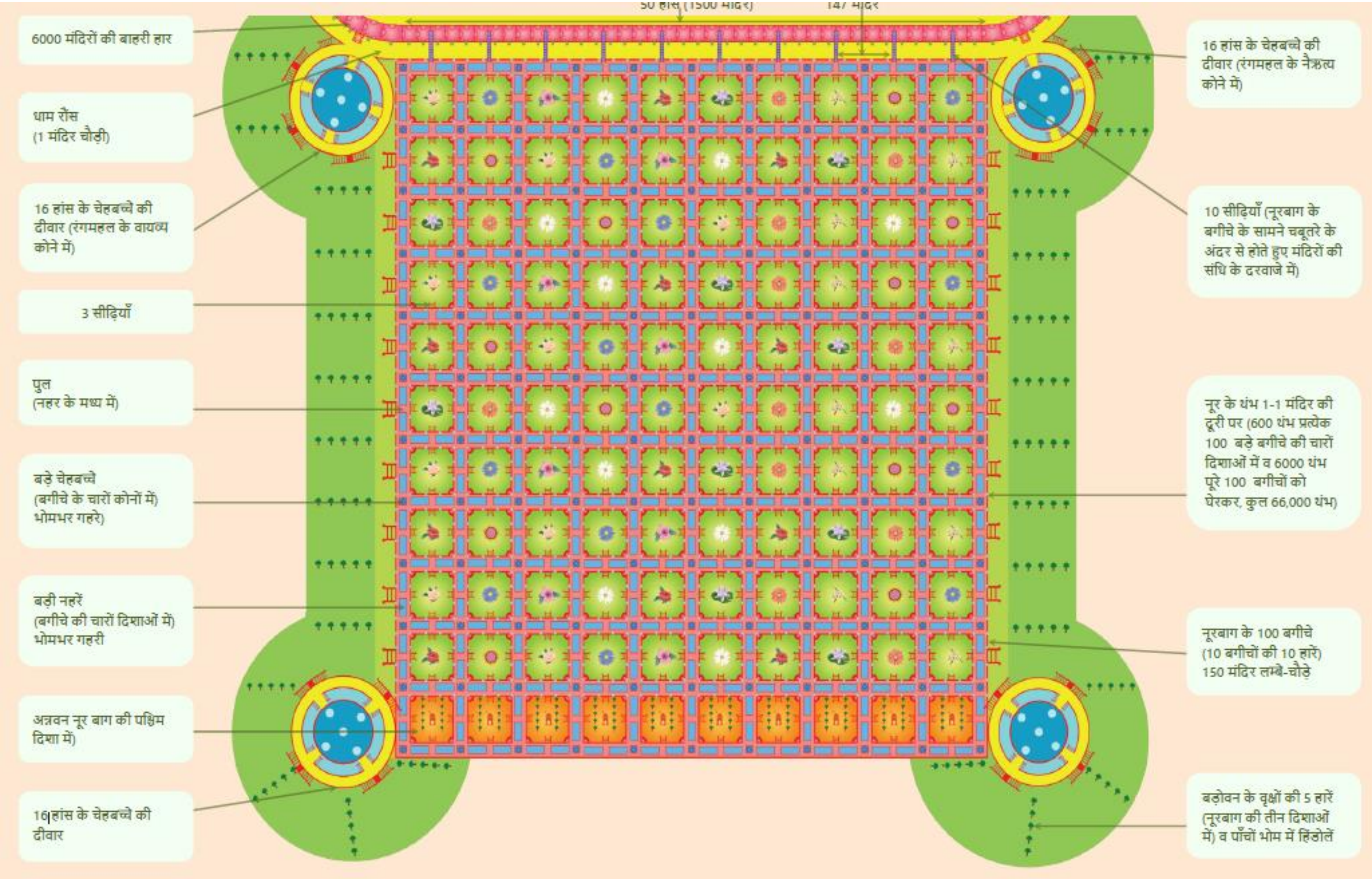

नूरबाग – 1 बगीचों की शोभा

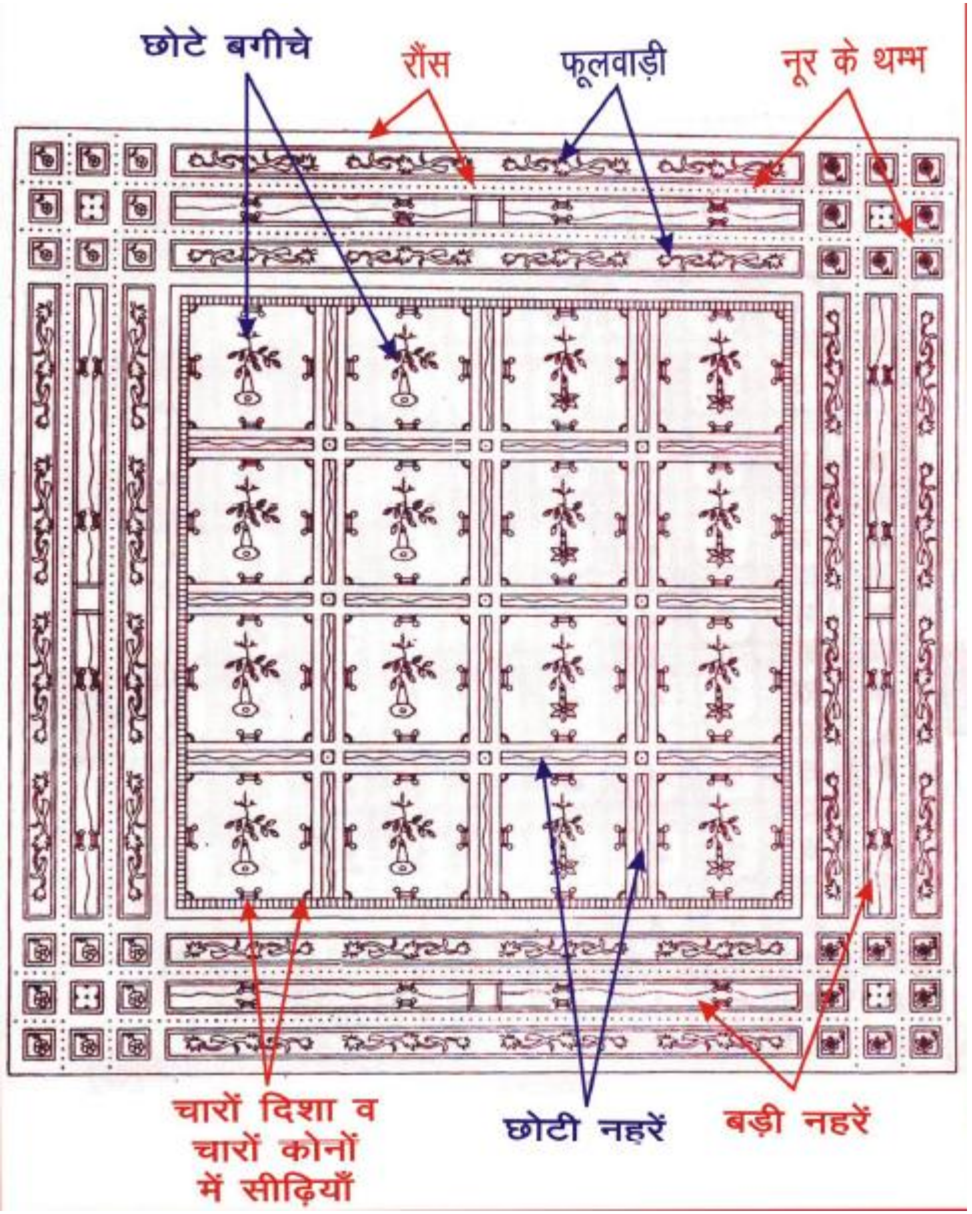

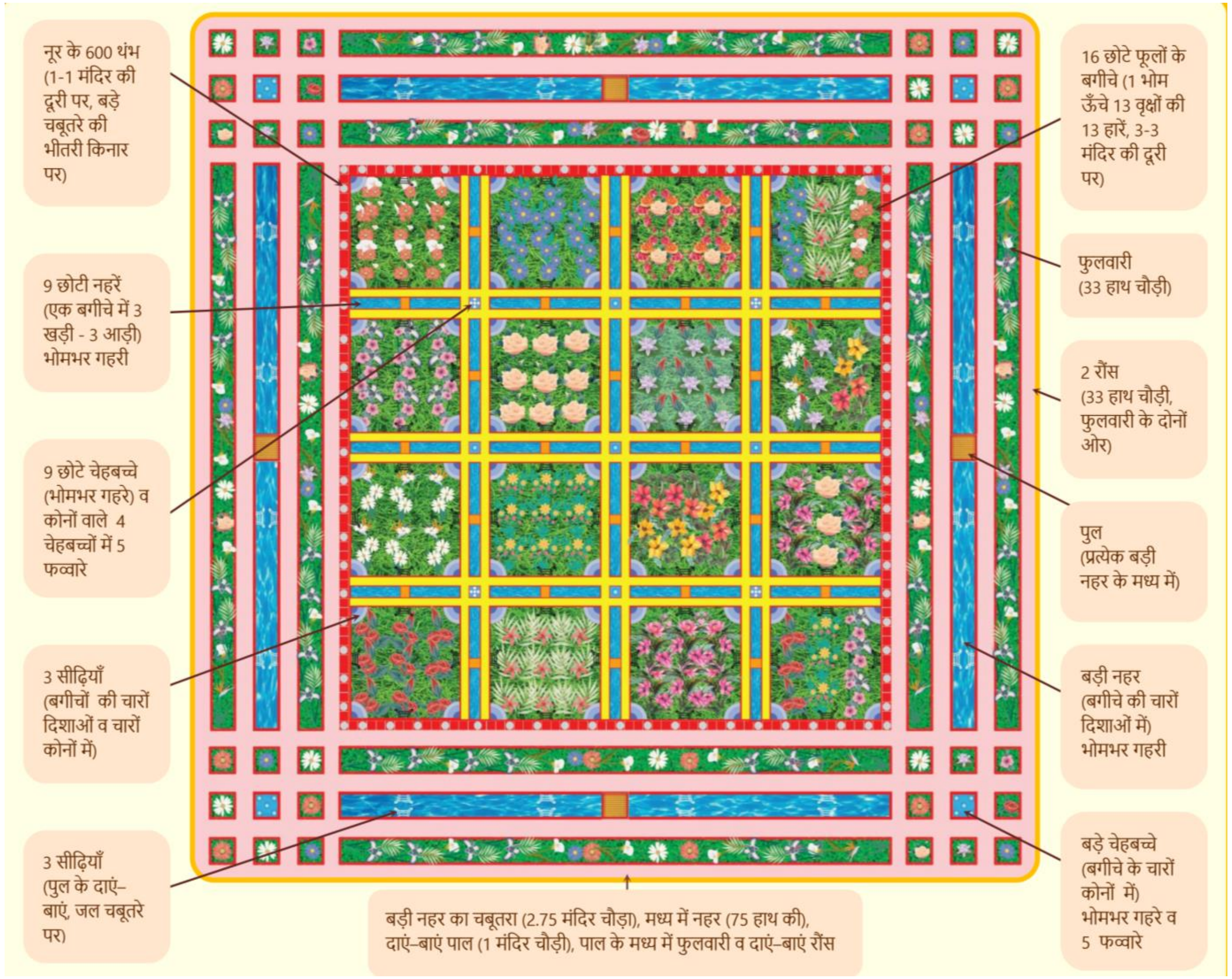

कई दरखत फूलन की, कई रंग ना पार सुमार ।
किनारे पेड़ केलन के, करे जुगल सरूप बिहार ॥५॥

नूरबाग – धाम चबूतरे की दीवार में से सिडियां

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

तामें दस खिड़कियां, हर बगीचे एक होए ।
तहां से बीस सीढ़ी चढ़ती, दिवालों अन्दर बनी सोए ।।

नूरबाग – धाम चबूतरे की दीवार में से सिडियां

और जो धाम से आइए, तो एक द्वार की हद नूर ।
तहां सेती उतरते, निकलिए दूसरे द्वार जहूर ॥

नूरबाग – धाम चबूतरे की दीवार में से सिडियां

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

यों दर दिवाल से चढ़िए, एक मंदिर की हद से ।
चढ़िए सीढ़ियों ऊपर से, जाइए दूसरे द्वार हद मे ।।

नूरबाग – धाम चबूतरे की दीवार में से सिडियां

नूरबाग – धाम चबूतरे की दीवार में से सिडियां

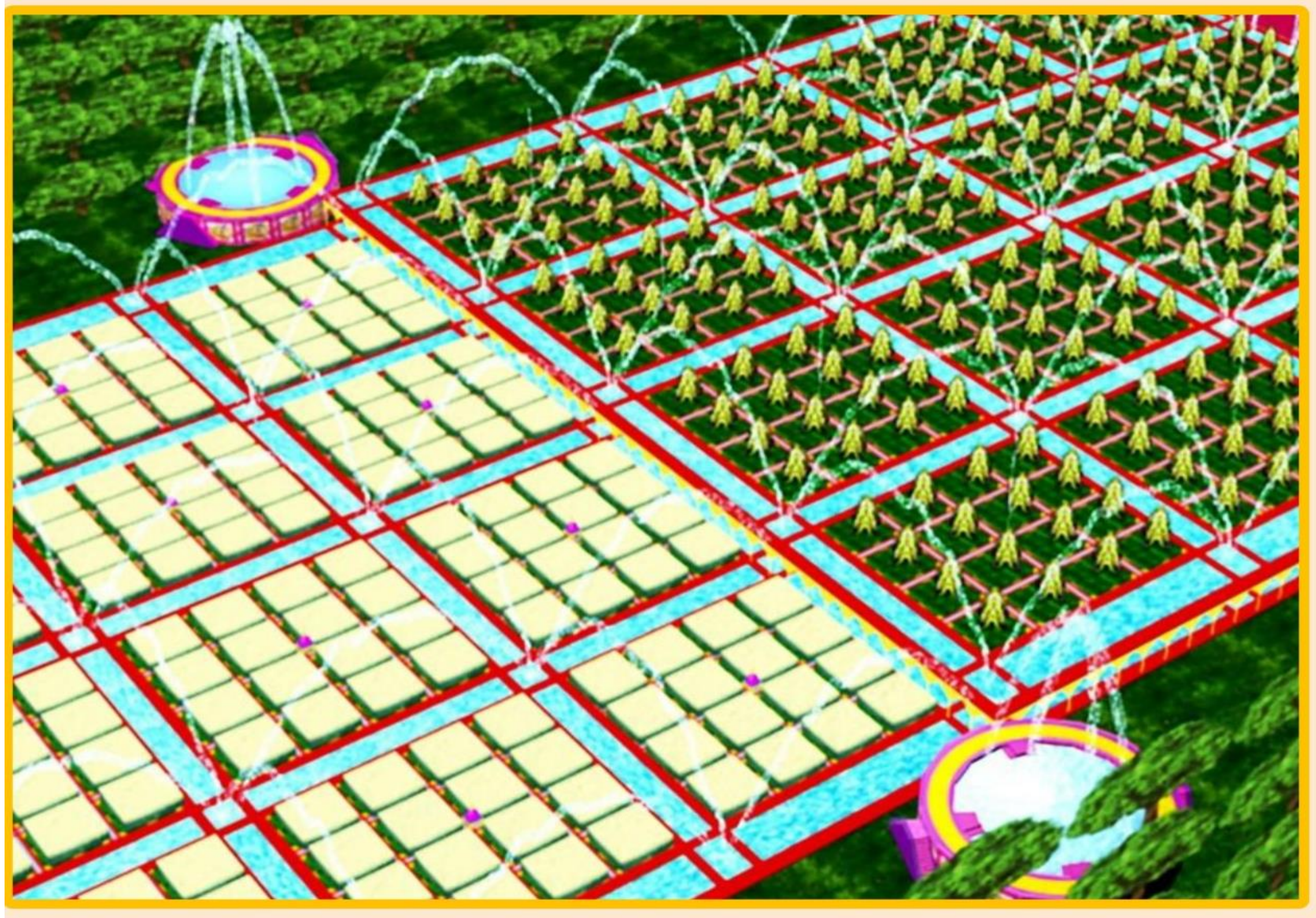

अब कहूं अन्न वन की, जो पश्चिम तरफ नूर द्वार ।
तहां से सनमुख चलिए, करिए अन्न वन बिहार ।।१

अन्नवन – 1500 मंदिर x 1500 मंदिर

- बड़े बगीचे - 100, 150 मंदिर x 150 मंदिर
  - नहेर
  - रोंस
  - बड़े चेहबच्चा
  - फुवारें
- छोटे बगीचे - 16, 36 मंदिर x 36 मंदिर
  - नहेर
  - रोंस
  - चेहबच्चा
  - **अन्न के वन** (13 x 13 , **1 भोम)**
  - **देहरी** - बड़े बगीचे के मध्य के छोटे चेहेबच्चे पर

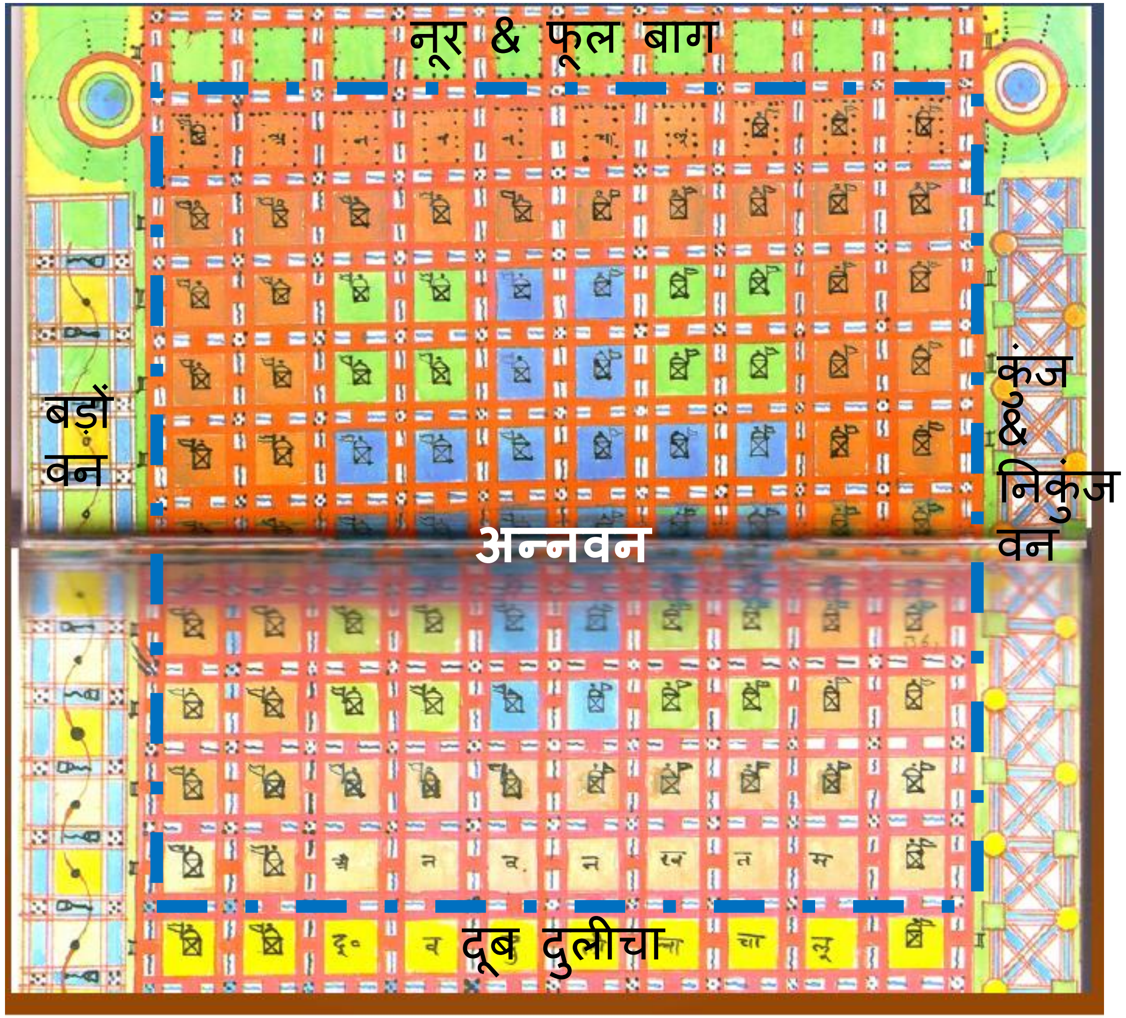

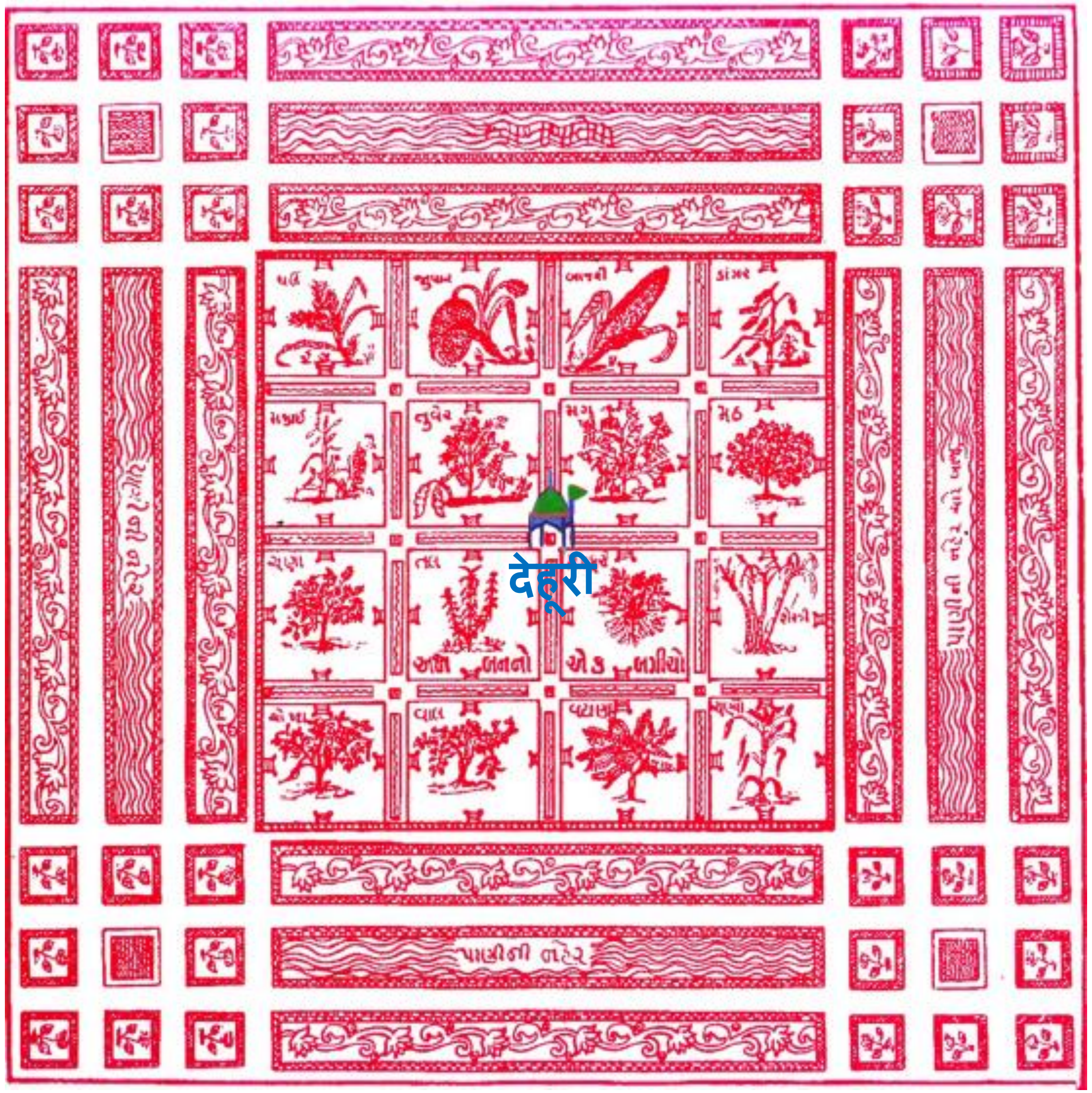

100 बड़े बगीचे

1 बड़े बगीचे – 16 छोटे बगीचे , 9 चहबचें, 1 देहूरीयों

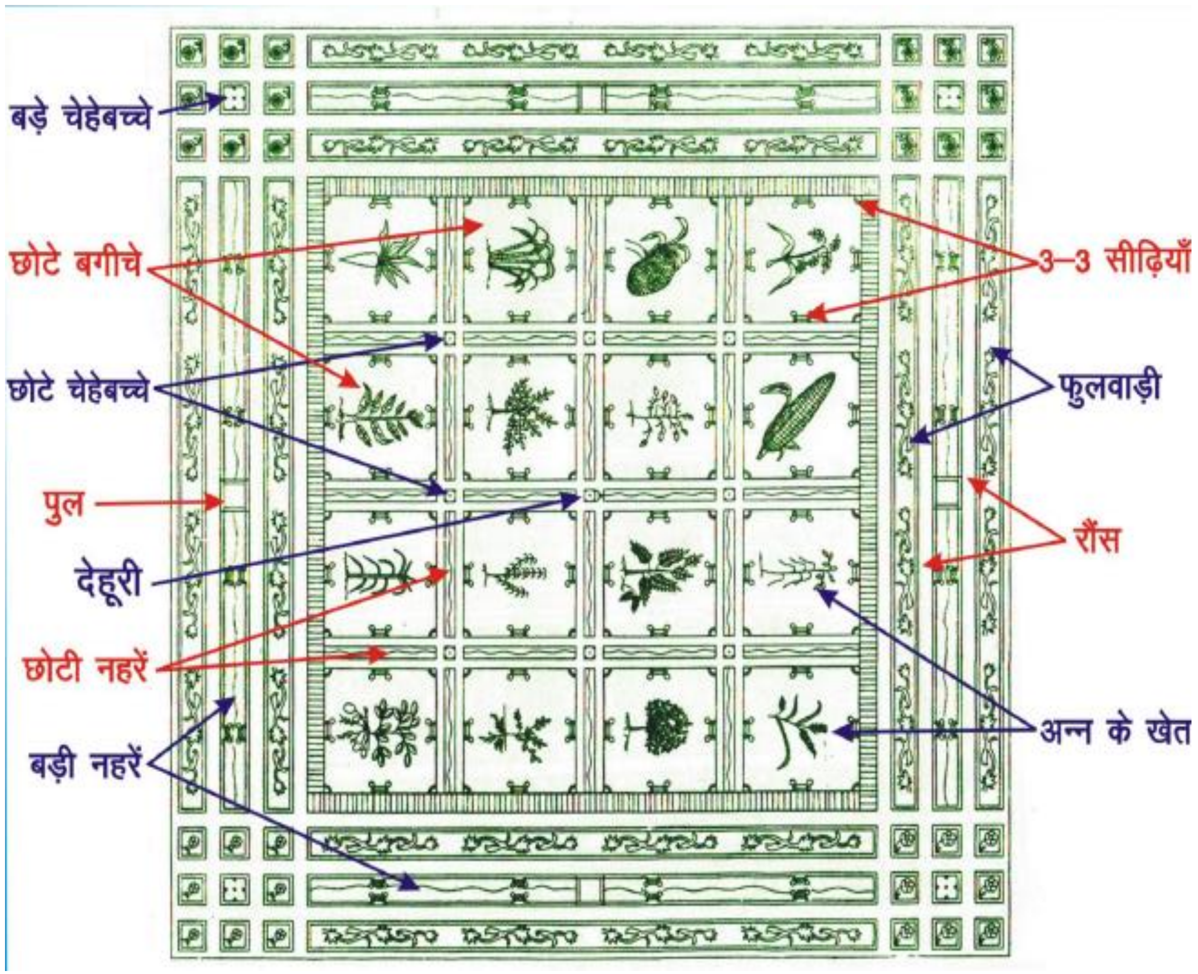

बड़े चेहबच्चे
छोटे बगीचे
छोटे चेहबच्चे
पुल
देहूरी
छोटी नहरें
बड़ी नहरें
3–3 सीढ़ियाँ
फुलवाड़ी
रौंस
अन्न के खेत

16 छोटे अन्न के बगीचे (1 भोम ऊँचे 13 वृक्षों की 13 हारें, 3-3 मंदिर की दूरी पर)
9 छोटी नहरें (एक बगीचे में 3 खड़ी - 3 आड़ी) भोमभर गहरी
9 छोटे चेहबच्चे (भोमभर गहरे) व कोनों वाले 4 चेहबच्चों में 5 फव्वारे
3 सीढ़ियाँ (बगीचे की चारों दिशाओं में व कोनों में)
1 देहुरी (मध्य के चेहबच्चे पर)
बड़े चेहबच्चे व 5 फव्वारे (बगीचे के चारों कोनों में)
फुलवारी (33 हाथ चौड़ी)
पुल (बड़ी नहर के मध्य में)
2 रौंस (33 हाथ चौड़ी, फुलवारी के दोनों ओर)
बड़ी नहर का चबूतरा (2.75 मंदिर चौड़ा), मध्य में नहर (75 हाथ की), दाएं – बाएं पाल (1 मंदिर चौड़ी), पाल के मध्य में फुलवारी व दाएं – बाएं रौंस

अब कहूं अन्न वन की, जो पश्चिम तरफ नूर द्वार ।
तहां से सनमुख चलिए, करिए अन्न वन बिहार ।।१

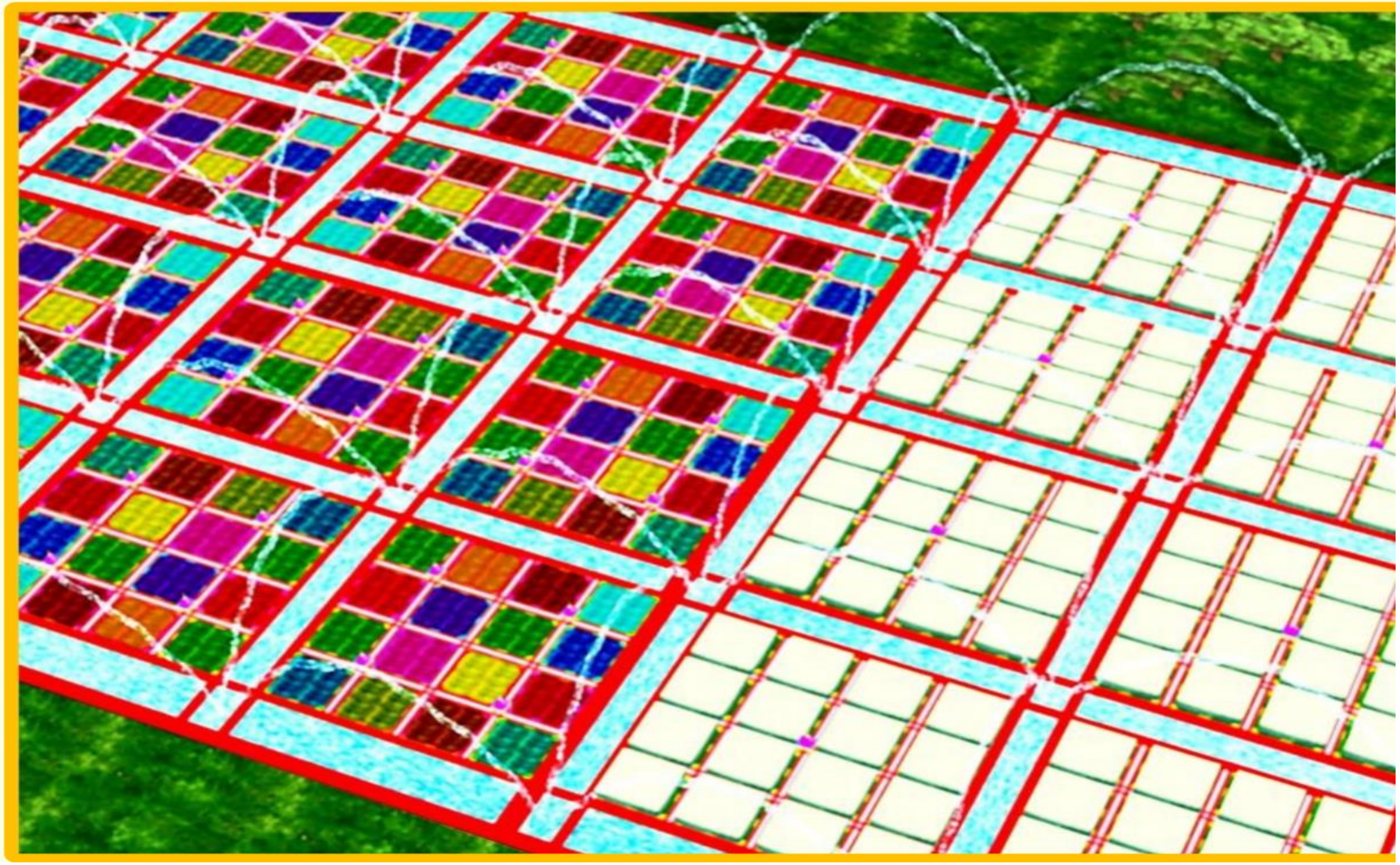

दूब दुलीचे – 1500 मंदिर x 1500 मंदिर

- बड़े बगीचे - 100, 150 मंदिर x 150 मंदिर
  - नहेर
  - रोंस
  - चेहबच्चा
  - फुवारें
- छोटे बगीचे - 16, 36 मंदिर x 36 मंदिर
  - नहेर
  - रोंस
  - चेहबच्चा
  - **बेरंगी दूब (घास) के बगीचे**
  - **देहूरी -** बड़े बगीचे के चारों कौनो के बड़े चेहेबच्चे पर

अन्न वन आगे दूब है, हरी पीरी कहीं सुपेत ।
तहां रस्ते सब चौक बने, ए सुख रूहें लेत ।।

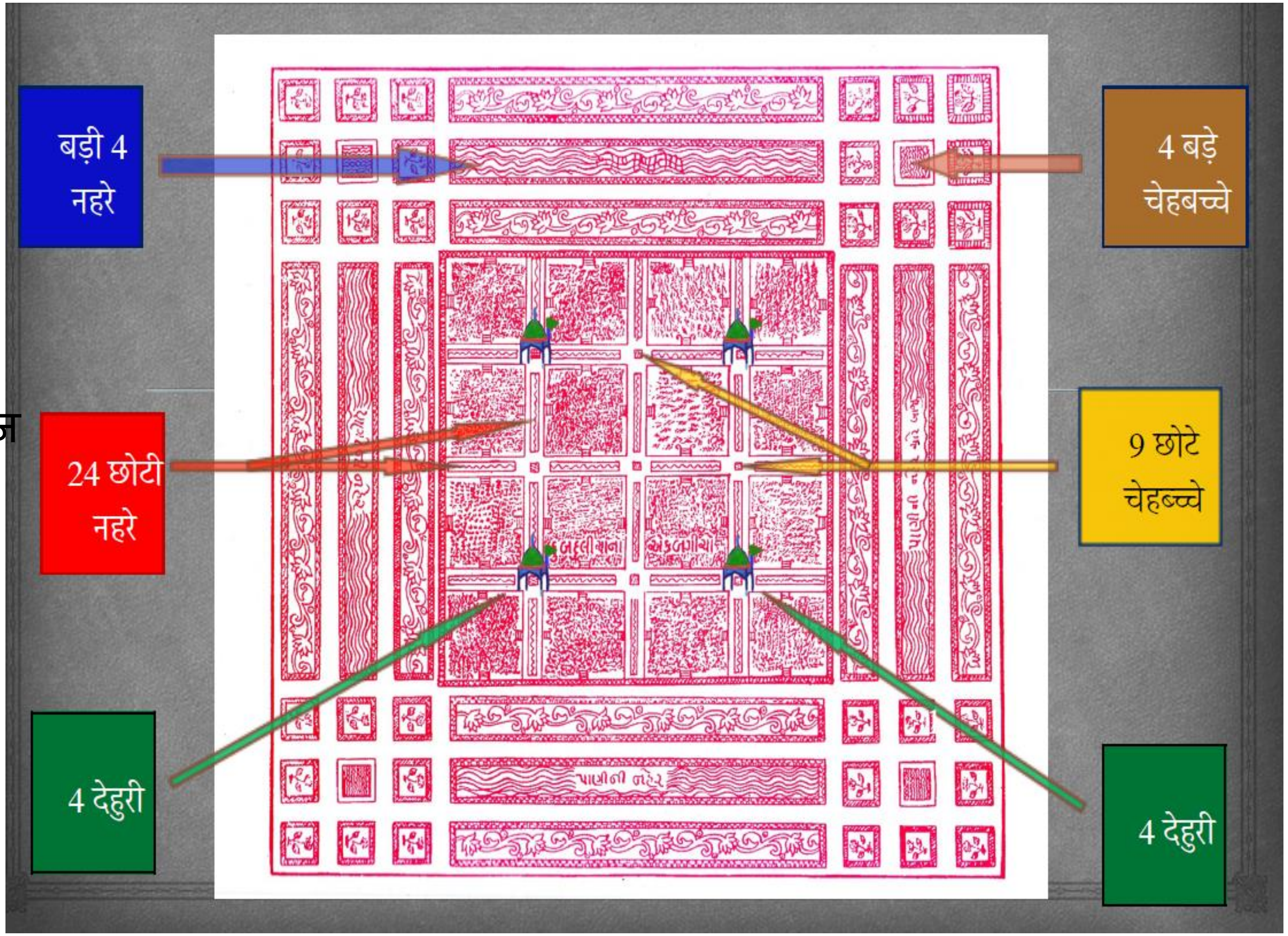

100 बड़े बगीचे

1 बड़े बगीचे – 16 छोटे बगीचे , 9 चहबचें, 4 देहूरीयों

दूब दुलीचे – 1 बगीचे की शोभा

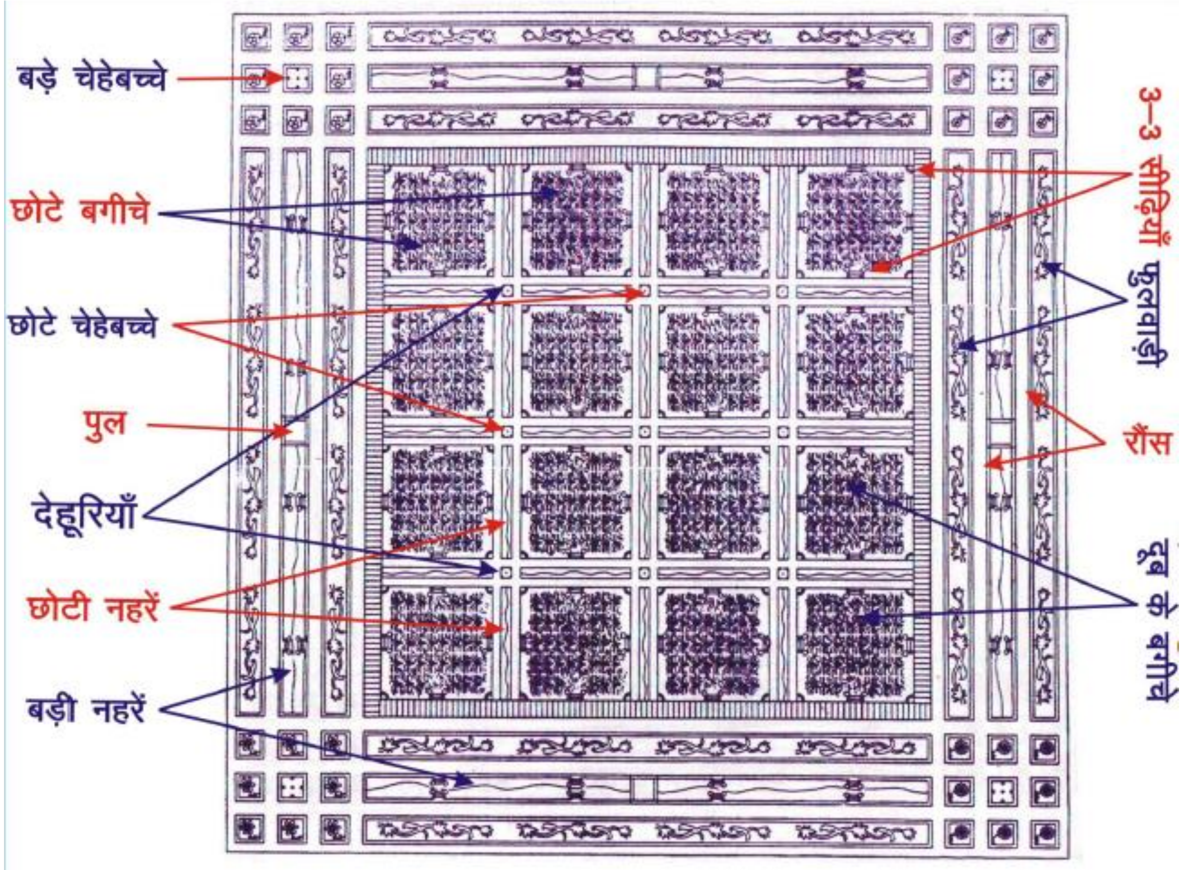

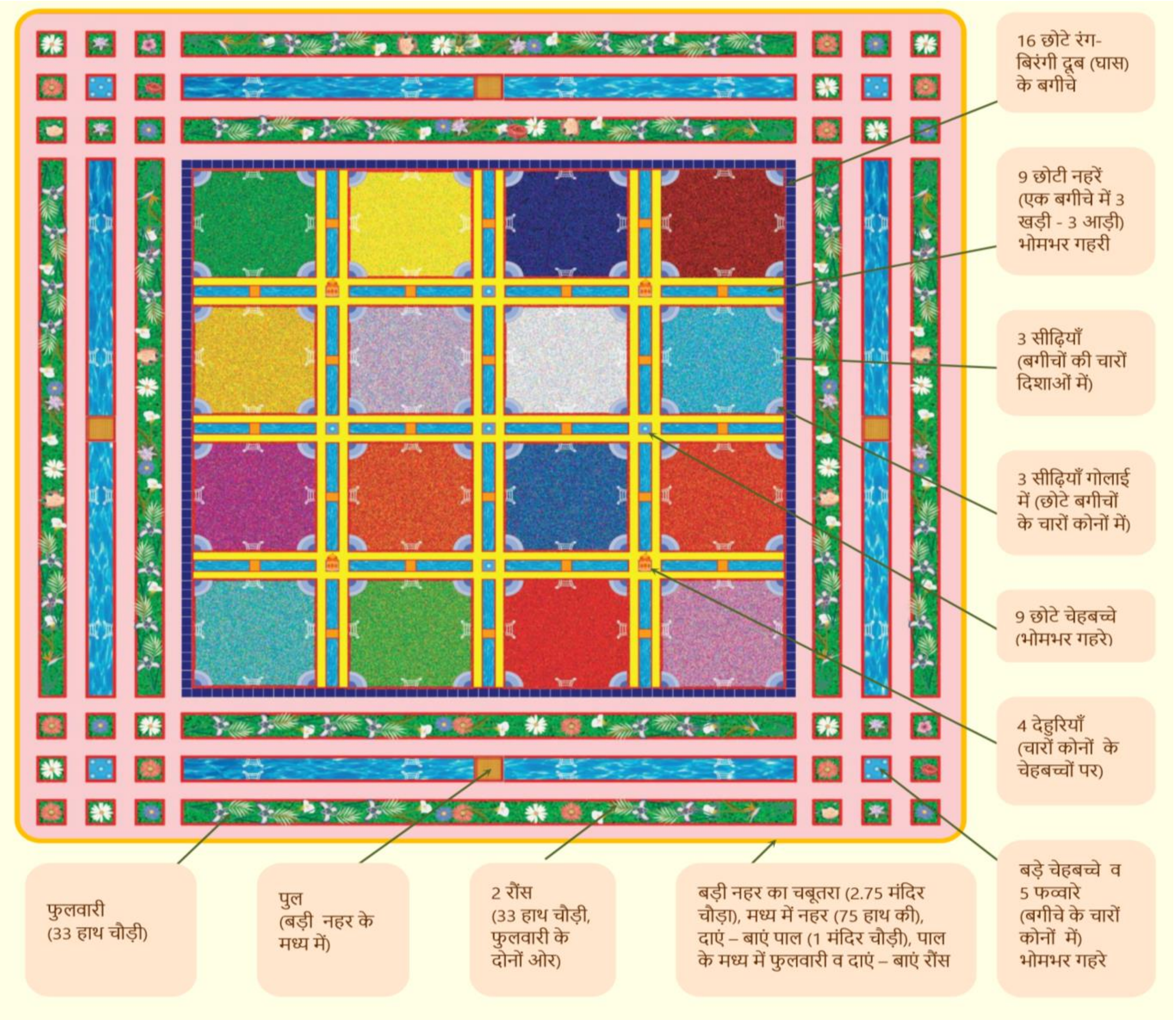

मानो चौक दुलीचा, बिछाया सब ठौर ।
खिलौने आशक हक के, सो खेलत है ठौर ठौर और ।।

पश्चिम का चोंगन
9 कोस लम्बा x 4.5 कोस चौडा

- रंग बेरंगी रेती का मैंदान

आगे सागर लों, पश्चिम दिश मैदान ।
आगे आइयां हवेलियां, सब सबज रंग की जान ॥

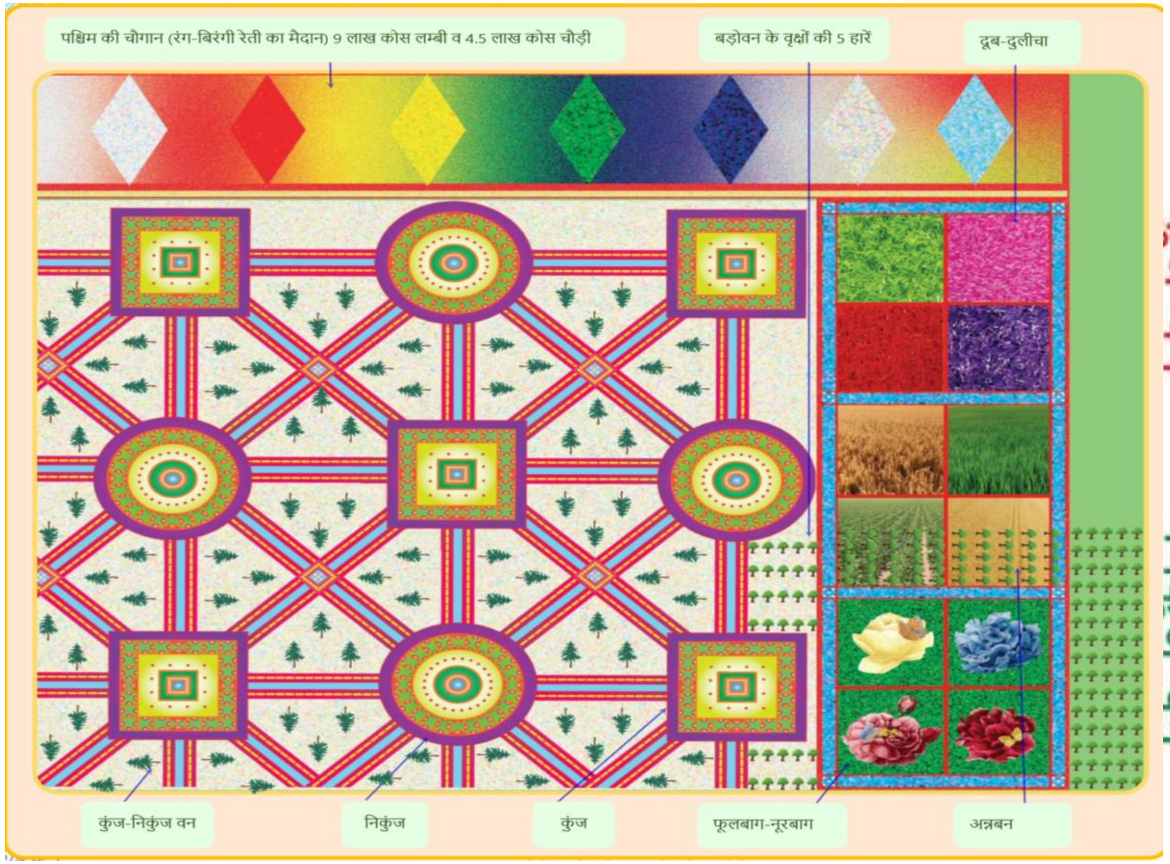
पश्चिम की चौगान (रंग-बिरंगी रेती का मैदान) 9 लाख कोस लम्बी व 4.5 लाख कोस चौड़ी
बड़ोवन के वृक्षों की 5 हारें
दूब-दुलीचा
कुंज-निकुंज वन
निकुंज
कुंज
फूलबाग-नूरबाग
अन्नबन

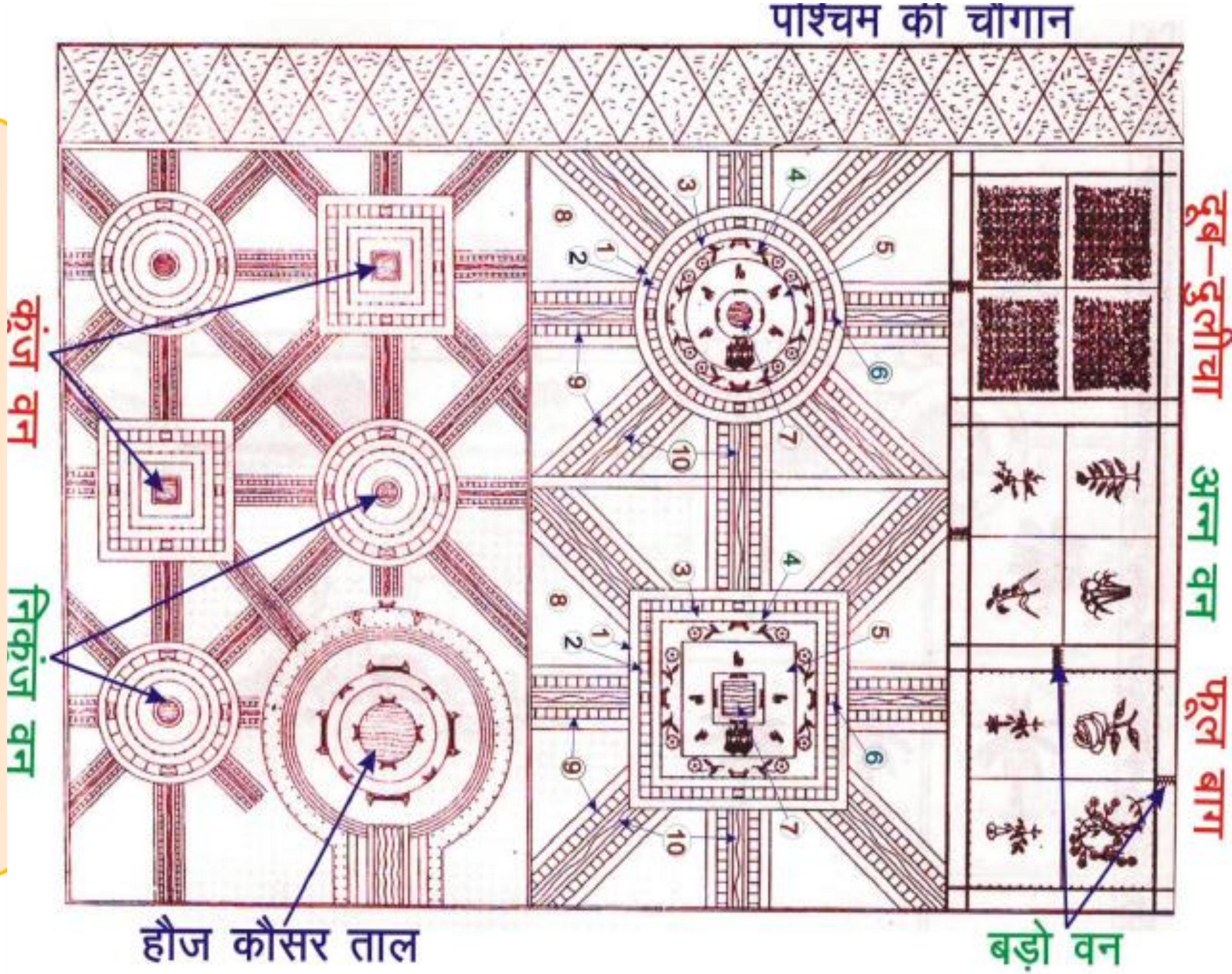
पश्चिम की चौगान
कुंज वन
निकुंज वन
दूब-दुलीचा
अन्न वन
फूल बाग
हौज कौसर ताल
बड़ो वन

एह तो बका ठौर की, वस्तां है अपार । कई असवारी पशुअन की, सब इत हाजर होए ।
असवारी जानवरों की, सब जानत परवरदिगार ।। जो नेक लिया दिल में, तो आए खड़े सब सोए ।।

रंगमोहल दक्षीण दिशा की शोभा – फूलबाग, नूरबाग, अन्नवन , दूब दुलीचे, पश्चिम का चोंगन

OR